सतना
19 जून 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

यूएई-सिंगापुर पहली पसंद; अमेरिकी सबसे ज्यादा माइग्रेट हो रहे, वेल्थ हब में भारत का स्कोर 56.5

मुंबई,एजेंसी। हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2026 के मुताबिक, इस साल रिकॉर्ड 1.65 लाख करोड़पति अपना देश छोड़कर दूसरे देशों का रुख करने (माइग्रेट) वाले हैं। पिछले साल करीब 1.42 लाख करोड़पतियों ने देश छोड़ा था।

2024 में यह आंकड़ा 1.34 लाख, जबकि 2013 में 51 हजार था। अमीर परिवार अब सिर्फ टैक्स छूट नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और बेहतर निवेश के लिए भी दूसरे देश जा रहे हैं। यूएई 85.3 स्कोर के साथ सबसे पसंदीदा 'वेल्थ हब' है। भारत का स्कोर 56.5 है।

अमेरिकाः सबसे ज्यादा अमीर परिवार देश छोड़ने को तैयारः अमेरिका का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर सिर्फ 62.3 है। यहां से सबसे ज्यादा लोग अन्य देशों की नागरिकता मांगते हैं। 2025 में ऐसे आवेदन दोगुने हुए और यह रफ्तार 2026 में भी बनी रही। सिर्फ 7% आवेदन विदेश में बसे अमेरिकियों से आए, बाकी देश में रह रहे अमीरों से। इनमें से आधे यूरोप के लिए और एक चौथाई से ज्यादा लैटिन अमेरिका-कैरिबियन के लिए हैं।

ब्रिटेनः बढ़ रहा पलायन, ये 5वां सबसे बड़ा सोर्स मार्केट... 2024-25 में ब्रिटेन के पते से आवेदन 15% बढ़े। 2026 में वहां से 53% आवेदन विदेशी नागरिकों के, यानी ब्रिटिश नागरिकों की हिस्सेदारी लगभग आधी रही। 2018 में यह हिस्सेदारी सिर्फ 8% थी। 2018 में ब्रिटेन 20वां सबसे बड़ा सोर्स मार्केट था। अब टॉप 5 में है।

भारतः दूसरी नागरिकता एस्टेट प्लानिंग का हिस्सा... भारत का वेल्थ मोबिलिटी स्कोर स्कोर 56.5 है। यह ढांचागत चुनौतियों वाली श्रेणी में आता है। इसकी सबसे बड़ी वजह पूंजी पर चुनिंदा लोगों का नियंत्रण और टैक्स को लेकर जटिल नियम हैं।

रांची आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रांची,एजेंसी। रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना को अंजाम देने के बाद फरार हुए दोनों आरोपियों को एसआईटी ने बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, आरोपी स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस से भागने की कोशिश कर रहे थे। पहले उन्हें कोडरमा जंक्शन पर चिन्हित किया गया, लेकिन तब तक ट्रेन खुल चुकी थी। इसके बाद पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए गया जिले के रफीगंज स्टेशन पर ट्रेन रुकवाकर दोनों को उतारा और हिरासत में लिया। फिलहाल पुलिस दोनों से गहन पूछताछ कर रही है, जिससे मामले में नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

देर रात पेट्रोल बम से हमला, सीसीटीवी में कैद हुई वारदातः यह पूरी घटना मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे की है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, दो युवक कार से कार्यालय के पास पहुंचे और कुछ दूरी पर वाहन खड़ा कर दिया। इसके बाद वे पैदल कार्यालय परिसर तक आए और पेट्रोल से भरी कांच की बोतलों में आग लगाकर उन्हें अंदर फेंक दिया। पहली बोतल रात 12:38 बजे फेंकी गई, जबकि करीब एक मिनट बाद दूसरी बोतल भी फेंकी गई। एक बोतल छत पर गिरकर टूट गई, जिससे पेट्रोल फैल गया और आग की लपटें उठीं, लेकिन आसपास ज्वलनशील सामग्री नहीं होने के कारण आग खुद ही बुझ गई। दूसरी बोतल प्रवेश द्वार के पास गिरी, लेकिन उसमें आग नहीं लगी। बुधवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही आरएसएस कार्यकर्ता और भाजपा नेता मौके पर पहुंच गए, वहीं पुलिस-प्रशासन भी सक्रिय हो गया।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म, तय तारीख से एक दिन पहले समझौता

दोनों प्रेसिडेंट ने दस्तखत किए, ट्रम्प चिल्लाकर बोले- डील साइन

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े रूप पर साइन किए।

इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे। ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए।

समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया।

इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री एक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी। इस समझौते पर 19 जून को स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए।

पिस्टोरियस ने कहा, 'इस समय हमारा एक माइंस्वीपर (सुरंग हटानेवाला जहाज) और एक सप्लाई जहाज स्वेज नहर पार कर लाल सागर की ओर बढ़ रहे हैं।' उन्होंने बताया कि किसी भी माइंस को हटाने के अभियान में शामिल होने के लिए ईरान और ओमान की मंजूरी जरूरी होगी। साथ ही यह मिशन अमेरिका और ईरान के बीच आगे होने वाली बातचीत के नतीजों पर भी निर्भर करेगा।

जर्मनी ने लाल सागर में दो जहाज भेजे, होर्मुज से बारूदी सुरंगें हटाने में मदद करेंगे ... जर्मनी ने होर्मुज स्ट्रेट में संभावित सैन्य मिशन की तैयारी के तहत दो जहाज लाल सागर की ओर भेजे हैं, जो बाद में होर्मुज में बारूदी सुरंगें हटाने के अभियान में मदद करेंगे। यह जानकारी जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने गुरुवार को दी।

21 लाख लेकर चली गई शहीद शुभम की पत्नी

पिता बोले- कोर्ट मैरिज की थी तो घर क्यों नहीं आई; अफसर से मिलकर हड़प लिए पैसे

जहानाबाद,एजेंसी। असम के जोरहाट में 13 जून को वायुसेना के विमान हादसे में जहानाबाद निवासी 25 साल लेफ्टिनेंट शुभम कुमार शहीद हो गए। उनकी शहादत के बाद परिवार में सरकार की ओर से मिली सहायता राशि को लेकर विवाद शुरू हो गया है।

शहीद के पिता अमरेंद्र शर्मा का आरोप है कि शुभम की पत्नी श्रेया ने अधिकारी के साथ मिलीभगत कर 21 लाख का चेक हड़प लिया है। वो चेकर लेकर अपने घर चली गई।

बिहार सरकार की इस मदद की जानकारी शहीद के परिवार को नहीं दी गई। अगर श्रेया राय मेरे बेटे की पत्नी थी तो उसे अंतिम संस्कार से श्राद्ध तक परिवार के साथ रहना चाहिए था।

अंतिम संस्कार वाले दिन श्रेया पैसे लेकर कैसे गईः शहीद शुभम के पिता अमरेंद्र शर्मा बताते हैं कि शुभम के अंतिम संस्कार के दिन श्रेया मास्क लगाकर कर पहुंची थी। ना तो उसके चेहरे पर कोई शिकन थी और ना ही शुभम को खोने का कोई दर्द। वो अंतिम संस्कार के दौरान कौने में अपने पिता के साथ चुप चाप खड़ी थी।

सीओ के साथ सेटिंग कर लिया 21 लाख चेक... अमरेंद्र शर्मा बताते हैं कि जहानाबाद के हुलासगंज के सीओ (अंचल अधिकारी) अंतिम संस्कार वाले दिन ही श्रेया को चुपचाप बुलाकर 21 लाख रूपए का चेक दे दिया। इस चेक के बारे में सीओ ने ना तो मुझे कोई जानकारी दी ना ही मेरे परिवार को। यही नहीं श्रेया ने भी इसका जिक्र हमलोगों से नहीं किया।

: ब्रीफ बॉक्स :

राहुल गांधी को मप्र हाई कोर्ट से राहत नहीं, एमपी-एमएलए कोर्ट की ऑर्डर शीट तलब की

जबलपुर,एजेंसी। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने भोपाल एमपी-एमएलए की आर्डर शीट तलब की है, इसके साथ ही राहुल गांधी की ओर से वकीलों ने रिकार्ड पेश करने के लिए समय मांगा, जिसे उच्च न्यायालय ने स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 23 जून को तय की है। यह मामला केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के पुत्र कार्तिकेय की ओर से मानहानि प्रकरण से जुड़ा है। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने सार्वजनिक मंच से कार्तिकेय चौहान का नाम कथित तौर पर पनामा पेपर्स लीक मामले से जोड़कर टिप्पणी की थी।

एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप मामले में मौलाना गिरफ्तार

नागपुर से म.प्र.ले जाकर काला जादू करने का आरोप; निकाह के लिए दबाव बनाया

नागपुर,एजेंसी। नागपुर में एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप, काला जादू और जबरन धर्मांतरण मामले में एक मौलाना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 24 साल की महिला ने 12 जून FIR में आरोप लगाया था कि उसे नशीला पदार्थ देकर रेप और ब्लैकमेल किया गया। फिर जबरन शादी और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। हजरत नाम के मौलाना पर महिला के ऊपर काला जादू और धर्मांतरण करने का आरोप है। आरोपी मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया का रहने वाला है। मौलाना की तलाश में कई टीमें लगाई गई थीं। दबाव बढ़ने पर बुधवार रात उसने सरेंडर कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड मांगा जाएगा। मामले में 26 साल का अय्याज मदारे और उसका 30 साल का दोस्त आमीन शेख भी आरोपी हैं।

दिन में 4 नीट स्टूडेंट ने सुसाइड किया

गुजरात का छात्र छठी मंजिल से कूदा, तमिलनाडु की छात्रा ने लिखा- दोबारा परीक्षा से डर

कोयंबटूर,एजेंसी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में नीट की तैयारी कर रही 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने बुधवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले छात्रा ने अपने चाचा और करीबी रिश्तेदारों को व्हाट्सऐप संदेश भेजे थे।

संदेश में उसने लिखा- 'मैंने नीट परीक्षा दी थी और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश का इंतजार कर रही थी, लेकिन परीक्षा रद्द हो गई। अब दोबारा परीक्षा देने से डर लग रहा है। मेरे पापा ने मुझ पर बहुत पैसा खर्च किया है, मैं अब उनका सामना कैसे करूंगी, नहीं जानती।'

वहीं, अहमदाबाद के न्यू रानीप इलाके में बुधवार रात करीब 2:30 बजे 17 साल के छात्र ने आनंदम फ्लैट्स के ब्लॉक बी की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। पुलिस जांच में पता चला कि छात्र नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पिछले दो दिनों में नीट स्टूडेंट की आत्महत्या का यह चौथा मामला है। इससे पहले 16 जून को देहरादून में 23 साल की रिया थापा और लखनऊ में 17 साल की एक छात्रा ने सुसाइड किया था। 12 मई को नीट परीक्षा रद्द होने के बाद देश भर में अब तक लगभग 12 स्टूडेंट्स जान दे चुके हैं। छात्रा का संदेश पढ़ने के बाद परिजन उसके घर पहुंचे। कमरे का दरवाजा तोड़ने पर वह बेहोश मिली। उसे तुरंत शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोयंबटूर स्थित घर के कमरे में बेहोश मिली थी छात्रा... अनुकीर्तना कोयंबटूर के कोवईपुदुर स्थित पार्क टाउन की रहने वाली थी। उसके पिता सेंथिल प्रभु सीटू से संबद्ध टास्मैक ट्रेड यूनियन के जिला सचिव हैं। दो बेटियों में अनुकीर्तना बड़ी थी। उसने एट्टिमडई के एक निजी स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई की थी। डॉक्टर बनकर गरीबों की मदद करना उसका सपना था। हालांकि, पेपर लीक के कारण नीट परीक्षा रद्द होने और 21 जून को पुनः परीक्षा की घोषणा से वह गहरे सदमे में आ गई थी। बुधवार सुबह उसने रिश्तेदारों को एक लंबा

प्रियंका का आरोपः नीट स्टूडेंट्स से 1.32 लाख करोड़ वसूले

» यह रकम शिक्षा बजट के लगभग बराबर, पसंदीदा कारोबारियों का 16 लाख करोड़ ऋण माफ

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया कि हर साल नीट परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्र और उनके परिवार से सिस्टम के जरिए1.32 लाख करोड़ खर्च कराए जाते हैं। यह रकम देश के पूरे शिक्षा बजट 1.40 लाख करोड़ के लगभग बराबर है।

प्रियंका गांधी ने बुधवार रात एक्स पोस्ट में ये भी लिखा- मैं एक बात और जोड़ना चाहती हूं कि भारत सरकार ने अपने पसंदीदा कारोबारियों के जो ऋण माफ किए, वे 16 लाख करोड़ रुपए हैं। प्रियंका की यह टिप्पणी राहुल गांधी के कोटा दौरे के बाद आई। राहुल ने बुधवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत में शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते दबावों पर चर्चा की थी।

राहुल ने कहा- भारत की पांच बड़ी परीक्षाओं- नीट, जेईई, एसएससी, यूपीएससी और आरआरबी की तैयारी में छात्र और उनके परिवार हर साल 3.5 लाख करोड़ खर्च करते हैं।

मानसून 8 जून से अटका, लगातार तीसरे साल लंबा ब्रेक

● एमपी-यूपी और राजस्थान में 22 जून के बाद एंट्री ● देश में सामान्य से 37.8प्रतिशत कम बारिश

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। मानसून 8 जून से तेलंगाना के भद्राचलम में अटका हुआ है। यह यूपी में 18 से 20 जून, मध्य प्रदेश में 15-16 जून और राजस्थान में 20 जून तक पहुंच जाता था, लेकिन इस बार इन सभी राज्यों में 22 जून के बाद ही एंट्री लेगा। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 13 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है।

लगातार तीसरे साल जून में मानसून ने लंबा ब्रेक लिया है। हालांकि, 2024 और 2025 में मानसून के शुरुआती ब्रेक के बावजूद सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई थी। लेकिन इस साल 17 जून तक देश में सामान्य से 37.8% कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 4-5 दिनों में मानसून आगे बढ़ सकता है। ऐसे में मानसून में कुल 13 से 15 दिन का ब्रेक हो सकता है।

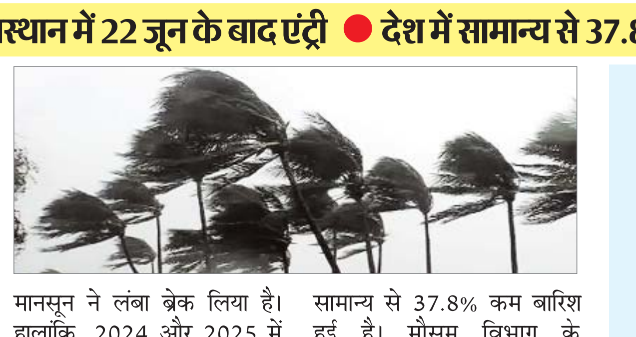

अल नीनो के हालात भी बन रहे... अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (NOA) ने उपग्रह के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इसके अनुसार इंटरट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन पर्याप्त गति से सक्रिय नहीं हो पाया है, इससे मानसून की रफ्तार धीमी है। यह सामान्य रूप से जून के मध्य तक उत्तर की ओर बढ़कर भारत में नमी खींचता है।

इंदौर से जोधपुर जा रही रणथंभौर एक्सप्रेस से निकला धुआं

रतलाम में यात्री दूसरे ट्रैक पर कूदे, 10 मिनट बाद दूसरी ट्रेन आई; ऐसे में मुरैना में 4 मौतें हुई

रतलाम,एजेंसी। रतलाम जिले के आलोट स्थित लूणी-रीछा स्टेशन के पास गुरुवार (18 जून) सुबह पौने 10 बजे के आसपास रणथंभौर एक्सप्रेस के जनरल कोच के पहियों से अचानक धुआं निकलने लगा। ट्रेन इंदौर से जोधपुर जा रही थी।

स्टेशन पर ट्रेन रुकते ही आग लगने की आशंका से यात्री दहशत में आ गए और सामान लेकर पटरियों पर कूद पड़े। घटना का वीडियो भी सामने आया है। रेलवे कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंग्विशर से स्थिति पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, लूणी-रीछा स्टेशन पर रणथंभौर एक्सप्रेस का आधिकारिक स्टॉपेज नहीं है। अचानक सिग्नल रेड होने पर लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। इस दौरान एक पहिए के हार्ड एक्सल पर ब्रेक शू जाम होकर चिपक गए, जिससे घर्षण होने लगा और धुआं निकलने लगा। ट्रेन करीब 20 मिनट यहीं खड़ी रही।

हिमाचल में खाई में गिरी बोलेरो गाड़ी, 7 की मौत

मृतकों में एक ही परिवार के 6 लोग शामिल मुंडन संस्कार से लौटते वक्त हादसा

भरमौर, चंबा,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के चंबा-मसरूंड मार्ग पर सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें मेहल गांव के एक ही परिवार के छह लोग शामिल हैं, जबकि सातवां मृतक ड्राइवर था। पुलिस ने सभी के शवों को खाई से निकाल कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूचना के अनुसार, गाड़ी में सवार सभी लोग काकड़ोथा गांव से मुंडन संस्कार में शामिल होकर बुधवार रात को घर लौट रहे थे। इस दौरान इनकी बोलेरो ॥क्क01ष्ट-2581 नंबर गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि सड़क से गाड़ी लगभग 1200 फीट नीचे गिरी। इससे गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में इन लोगों की मौतः इस हादसे में मेहल गांव के चुनी लाल (65) पुत्र परस राम, देवी लाल (62) पुत्र परस राम, बबली देवी (45) पत्नी मोती राम, मोती राम (45) पुत्र परस राम, अनिता कुमारी (20) पुत्री धर्मसिंह, कुंता देवी (53) पत्नी कर्म सिंह और धरो गांव के मनोहर लाल (34) की मौत हो गई। दो सगे भाई और पति-पत्नी भी शामिल है।

आधी रात हुआ हादसा, पुलिस को सुबह मिली सूचना... आधी रात में हादसे की वजह से किसी को इसकी भनक नहीं लगी। सुबह के वक्त पुलिस को जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुटी। मगर तब तक सभी लोगों की मौत हो चुकी थी।

ह्यूमन चेन बनाकर खाई से शव निकाले... पुलिस ने आज सुबह घटनास्थल पर जुटे स्थानीय लोगों की मदद से खाई से शवों को सड़क तक पहुंचाया। इसके लिए लोगों ने ह्यूमन चेन बनाकर सभी शव सड़क तक लाए। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज गया। कुछ देर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

नोएडा एक्सप्रेसवे की लाइफलाइन बनेगी 45 मीटर चौड़ी सड़क

नोएडा, एजेंसी। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के समानांतर सेक्टर-163 से 167 तक प्रस्तावित 45 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी है। सड़क के अलाइनमेंट में आने वाली निजी जमीनों का विवरण तैयार किया गया है।

45 मीटर रोड पर तीन गांव की 710 मीटर का विवाद: अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आइडीसी) ने इसे एक्शन प्लान में शामिल किया है। 45 मीटर सड़क को पूरा करने के लिए नोएडा शाहदरा, मोहियापुर, झट्टा इन तीनों गांव की करीब 710.90 मीटर बाधा बनी है। यह जमीन अनर्जित है। हाइकोर्ट में मामला विचाराधीन है।

अधिग्रहण बाद एक्सप्रेसवे की बाधा होगी दूर: इस परियोजना से जुड़ा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित है। 24 जुलाई 2025 को दिए गए आदेश में कहा गया था कि याचिकाकर्ता सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही निर्माण कर सकता है। बिना अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण नहीं किया जा सकता। प्राधिकरण का कहना है कि भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया नियमों के तहत पूरी की जाएगी। नोएडा ग्रेटर

एयरपोर्ट के लिए भी मिलेगी वैकल्पिक कनेक्टिविटी

नोएडा एक्सप्रेसवे पर बढ़ते यातायात के भार के मद्देनजर सर्विस लेन और सेक्टर रोड को प्लान-बी कारिडोर के रूप में तैयार करना जरूरी है। डीएनडी, चिल्ला, कालिंदी कुंज और आंतरिक सड़कों से बढ़ते वाल्यूम, और एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद आने वाला अतिरिक्त दबाव इन सबके चलते समानांतर मार्ग की आवश्यकता और अधिक अहम हो गई है। ये एक्सप्रेसवे की लाइफ लाइन बनेगी। इन रुकावटों की वजह से सेक्टर 150, 151, 152, 153, 155, 163, 167, 135 और 168 के निवासी इस सड़क का एंडटूएंड इस्तेमाल नहीं कर पाते और मजबूरी में एक्सप्रेसवे पर चढ़ते हैं, जिससे यातायात का दबाव बढ़ता है। लगातार किसानों से बातचीत की जा रही है। जल्द जमीन को लिया जाएगा, ताकि इसे एक्सप्रेसवे के डायवर्जन मार्ग के रूप में तैयार किया जा सके।

एयरपोर्ट के लिए बनेगी वैकल्पिक कनेक्टिविटी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होने के बाद नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ने की संभावना है। ऐसे में यह 45 मीटर चौड़ी समानांतर सड़क सेक्टर-146, 163 और 167 समेत आसपास के क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक मार्ग का काम करेगी और एयरपोर्ट तक पहुंच को आसान बनाएगी। प्रभावित किसानों और भूस्वामियों से बातचीत कर जल्द मुआवजा प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि सड़क निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से शुरू।

फरीदाबाद में सरकारी सिस्टम की लापरवाही, नौ महीने से नहीं बनाया मंदबुद्धि का राशन कार्ड

फरीदाबाद, एजेंसी। सेक्टर-सात-ए ब्लाक के रहने वाले गुरमीत सिंह का कहना है कि वह अपना और अपनी मंदबुद्धि की बेटी सुहानी का बीपीएल राशन कार्ड बनवाने के लिए नौ महीने से जन समस्या समाधान शिविर के चक्कर लगा रहे हैं। अभी तक भी दरबार में उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। सुहानी की मां भी मर चुकी है। गुरमीत का कहना है कि वह किराये के मकान में रहता है और उसके पास स्कूटी के अतिरिक्त न तो कार है ना कोई अन्य सुविधा। फिर भी उसकी दरबार में कोई सुनवाई नहीं करता है। करनेरा से आने वाली पूजा का कहना है कि उसका पति रिक्शा चलाता है।उसकी फैमिली आईडी में आए 3: 50 लाख रुपये वार्षिक आय लिखी हुई है। रिक्शा चालक साढे तीन लाख रुपये कैसे कमा सकता है। उसका बीपीएल राशन कार्ड भी काट दिया है। उसकी फैमिली आईडी में आय को अभी तक दुरुस्त नहीं किया गया है। वह गांव से किराया लगाकर यहां पर आती हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसी तरह की समस्या राजीव कॉलोनी की आने वाली मंजू की है।

दिल्ली में जल बोर्ड के दावों की खुली पोल, 3 दिन में एक बार आता है पानी, वह भी काला और बदबूदार

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के बिंदापुर गांव इन दिनों पानी की गंभीर किल्लत और दूषित जलापूर्ति की दोहरी मार झेल रहा है। गांव के लोग पिछले 15 दिनों से नलों से आ रहे बदबूदार और गंदे पानी से बेहद परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जल बोर्ड की अनदेखी के कारण उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए बूंद-बूंद पानी को तरसना पड़ रहा है, और जो पानी आ भी रहा है, वह बीमारियों को न्योता दे रहा है।

तीन दिन में एक बार आता है पानी, वह भी गंदा: स्थानीय निवासियों के अनुसार, गांव में पानी की आपूर्ति का कोई निश्चित समय नहीं है। तीन दिन में बमुश्किल एक बार पानी आता है, लेकिन उसका रंग और गंध ऐसी होती है कि उसे छूना भी दूभर है। ग्रामीणों को शक है कि दोनों लाइनें कहीं न कहीं आपस में मिल रही हैं। गांव के प्रदीप बताते हैं कि पानी की पाइपलाइन महज 6 साल पुरानी है और सीवर लाइन को बिछे भी अभी 10 साल ही हुए हैं। तकनीक के इस दौर में इतनी नई लाइनें होने के बावजूद पानी गंदा आ रहा है। साफ है कि जमीन के नीचे ये दोनों लाइनें आपस में कहीं न कहीं मिक्स हो रही हैं, जिसे ढूंढने में विभाग नाकाम रहा है।

जेब पर भारी पड़ रहा मोल का पानी: गांव के रतिभान अहलावत बताते हैं कि दूषित पानी के कारण घरों में लगे वाटर प्यूरीफायर भी जवाब दे रहे हैं। ऐसे में लोगों के सामने सेहत बचाने के लिए बाजार से पानी खरीदने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए हर दिन पीने का पानी खरीदना भारी आर्थिक बोझ बन गया है। रतिभान कहते हैं कि तीन दिन में एक बार पानी आता है, वह भी इतना गंदा कि कपड़े धोना तो दूर, शौचालय में भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मजबूरन हमें पीने और खाना बनाने के लिए बाहर से पानी खरीदकर लाना पड़ रहा है। आखिर आम जनता करें तो क्या करे? गांव के लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस लीकेज और मिक्सिंग प्वाइंट को ढूंढकर ठीक नहीं किया गया, तो इलाके में कोई बड़ी महामारी फैल सकती है।

मुंबई में गहराया पानी संकट: बीएमसी की कटौती से सूख रहा लोगों का गला, टैंकर बने आखिरी सहारा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में पानी की किल्लत ने विकराल रूप ले लिया है। ऐसे में बीएमसी द्वारा पानी की सप्लाई में की गई 10 फीसदी की कटौती के बाद पूरी मुंबई में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। कई इलाकों में पानी का प्रेशर इतना कम है कि लोगों के घरों तक पानी पहुंच ही नहीं पा रहा है। इस संकट के कारण अब हाउसिंग सोसायटियों और व्यापारियों को पूरी तरह से वॉटर टैंकरों पर निर्भर होना पड़ रहा है।

नए नियमों से बढ़ी टैंकरों की डिमांड: पानी की बर्बादी को रोकने के लिए सरकार और प्रशासन ने कुछ कड़े कदम उठाए हैं, जिसकी वजह से टैंकरों की मांग आसमान छूने लगी है। बनाए गए नए नियमों के अनुसार बिल्डिंग बनाने (कन्स्ट्रक्शन) के कामों में पीने के पानी के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके साथ ही होटलों, मॉल्स और स्विमिंग पूलों में पानी के अंधाधुंध इस्तेमाल पर नए नियम लागू कर दिए गए हैं। ऐसे में इन कड़े नियमों के कारण अब हर बड़े काम के लिए टैंकर ही एकमात्र जरिया बचे हैं, जिससे टैंकर ऑपरेटरों पर दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

सप्लाई नेटवर्क पर बढ़ा भारी दबाव: पानी की किल्लत के बीच मांग इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि टैंकरों का मौजूदा नेटवर्क कम पड़ने लगा है। लोगों को एक टैंकर मंगवाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और इसके दाम भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में जानकारों का कहना है कि लगातार टैंकरों के जरिए जमीन के नीचे का पानी खींचे जाने के कारण जमीन का जलस्तर भी तेजी से गिर रहा है। अगर ऐसा ही रहा, तो आने वाले दिनों में टैंकरों के लिए भी पानी मिलना मुश्किल हो जाएगा। फिलहाल, मुंबई की बड़ी हाउसिंग सोसायटियों से लेकर छोटे बिजनेस चलाने वालों के लिए ये वॉटर टैंकर ही जिंदगी की गाड़ी चलाने की आखिरी 'लाइफलाइन' बने हुए हैं। अगर आने वाले दिनों में कटौती वापस नहीं ली गई, तो संकट और गहरा सकता है।

'उद्धव ठाकरे के 6 सांसद हमारी शिवसेना में शामिल', शिंदे गुट के नेता का बड़ा दावा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में एक बार फिर बड़े राजनीतिक उलटफेर की सुगबुगाहट तेज हो गई है। शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के एमएलसी चंद्रकांत रघुवंशी ने गुरुवार को दावा किया कि उद्धव ठाकरे गुट के छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं। शिवसेना स्ष्ट चंद्रकांत रघुवंशी ने कहा कि महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर हुआ है। आज, छह सांसदों ने एकनाथ शिंदे पर भरोसा जताया और शिवसेना में शामिल हो गए... यह अच्छी बात है कि वे हमारे साथ जुड़े। मैं उनका स्वागत करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई नेता लोगों के लिए काम करना चाहता है, तो उसे शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन में शामिल होना चाहिए।

2022 जैसे राजनीतिक संकट के आसार: पहले की खबरों से पता चला है कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मौजूदा नौ सांसदों में से सात, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के संपर्क में हैं और पाला बदलने पर विचार कर रहे हैं। इससे महाराष्ट्र की राजनीति में 'ऑपरेशन टाइगर' के नाम से चर्चा में आई इस संभावित टूट के बाद एक बार फिर साल 2022 जैसे राजनीतिक संकट के आसार दिखने लगे हैं। जिसने पार्टी को दो गुटों में बांट दिया था। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने गुरुवार को शिवसेना नेता संजय राउत पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राज्यसभा सांसद जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट का विनाश हो रहा है। 'ऑपरेशन टाइगर' और शिवसेना सांसदों के आंतरिक पत्र को लेकर चल रही अटकलों पर,ह्द्ध से बात करते हुए जाधव ने कहा कि यह मामला अब लोकसभा स्पीकर के पास है। जाधव ने कहा कि सांसदों ने जो भी पत्र दिया है, वह शिवसेना का अंदरूनी मामला है। लोकसभा स्पीकर इस पर फैसला लेंगे।

स्थापना दिवस पर प्रतापराव जाधव का उद्धव गुट पर तंज

केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने शिवसेना के आगामी स्थापना दिवस का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे गुट पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने जोर देकर कहा कि बालासाहेब ठाकरे की मूल विचारधारा को मानने वाले असली समर्थक ही इस ऐतिहासिक मौके को मनाने के लिए एकजुट होंगे। जाधव ने कहा, 'कल (19 जून) शिवसेना का स्थापना दिवस है और जो लोग वास्तव में बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा में विश्वास रखते हैं, वे इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।' केंद्रीय मंत्री का यह बयान साफ तौर पर इशारा करता है कि वे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को ही असली शिवसेना मानते हैं।

डिवाइडर से टक्कर के बाद KTM बाइक सवार की मौत, लाइव मौत का वीडियो वायरल

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में तेज रफ्तार और 'ड्रिंक एंड ड्राइव' का एक बेहद खौफनाक मामला सामने आया है। जहां एक तेज रफ्तार केटीएम ड्यूक स्पोर्ट्स बाइक सड़क के बीच लगे डिवाइडर और विज्ञापन बोर्ड से टकरा गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पीछे बैठा उसका दोस्त मामूली रूप से घायल हो गया। दरअसल, यह घटना मंगलवार तड़के (16 जून) लगभग 2:15 बजे की बताई जा रही है। जब केटीएम ड्यूक बाइक टीएसपीए की तरफ से काली मंदिर की ओर जा रही थी।

कैसे हुआ हादसा: साइबराबाद की नरसिंगी ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बाइक चालक शराब के नशे में था और मोटरसाइकिल की रफ्तार बेहद तेज थी। तभी उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और सड़क के बीच में लगे एक छोटे विज्ञापन बोर्ड से टकरा गया।

मोबाइल कैमरे में कैद हुई मौत: यह पूरी घटना उसके दोस्त के मोबाइल कैमरे में कैद हो गई।

क्योंकि वे दोनों मोबाइल में गाड़ी की स्पीड को रिकॉर्ड कर रहे थे। जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा उसका दोस्त मामूली रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

जांच जारी: पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजकर मामला दर्ज कर लिया है और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए बाइक की सटीक स्पीड का पता लगाया जा रहा है। हालांकि, शुरुआती जांच में टक्कर की वजह गाड़ी की ओवर स्पीड बताई जा रही है। गौरतलब है कि हैदराबाद के काली मंदिर और टीएसपीए जंक्शन के पास के इलाके में हाल के वर्षों में कई गंभीर दुर्घटनाएं हुई हैं। पुलिस ने बार-बार वाहन चालकों से अपील की है और तेज गति से वाहन न चलाने की चेतावनी दी है। साथ ही वाहन चालकों से शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचने और गति सीमा का पालन करने का आग्रह किया।

यूएन में महिला नेतृत्व का समर्थन: भारत बोला- आधी आबादी के लिए नीति पर सरकार की जोर, प्रशासन में 10 लाख+ महिलाएं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में महिला सशक्तिकरण और शांति स्थापना के क्षेत्र में अपनी बड़ी उपलब्धियों को गर्व से पेश किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने बताया कि भारत में स्थानीय शासन के स्तर पर 10 लाख से अधिक महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 'महिला आरक्षण अधिनियम 2023' के साथ अब यह व्यवस्था भारतीय संसद में भी लागू होगी।

राजदूत ने क्या कहा: राजदूत पर्वतनेनी ने कहा कि भारत का अनुभव बताता है कि जब महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से

मजबूत बनाया जाता है, तभी स्थायी परिणाम मिलते हैं। भारत में महिलाओं ने हमेशा ऊंचे पदों की जिम्मेदारी संभाली है। देश में महिला सरकार प्रमुख और संसद की अध्यक्ष रही हैं। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि वर्तमान में भारत की राष्ट्रपति भी एक महिला हैं। भारत सरकार 'महिला नेतृत्व वाले विकास' के मॉडल पर काम कर रही है।

इसका उद्देश्य महिलाओं को देश की आर्थिक प्रगति की मुख्य ताकत बनाना है। भारत सरकार डिजिटल और वित्तीय समावेशन, सीधे लाभ हस्तांतरण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। भारतीय सशस्त्र बलों में भी महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। राजदूत ने कहा कि स्वतंत्र और मजबूत महिलाएं समाज को एकजुट रखती हैं।

शांति अभियानों के क्षेत्र में भारत का रिकॉर्ड: शांति अभियानों के क्षेत्र में भी भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। भारत पहला देश था जिसने लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के लिए पूरी तरह महिला पुलिस इकाई भेजी थी।

इस कदम ने लाइबेरिया की हजारों महिलाओं को अपनी राष्ट्रीय पुलिस में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में 160 से अधिक भारतीय महिला शांति रक्षक दुनिया के विभिन्न देशों में तैनात हैं। दिल्ली में भारतीय सेना का केंद्र 2016 से दुनिया भर की महिला सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। पिछले साल भारत ने 35 देशों की महिला शांति रक्षकों के लिए एक सम्मेलन भी आयोजित किया था।

भारतीय महिला शांति रक्षकों के काम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सम्मान मिला है। 2019 और 2024 के बाद हाल ही में 2026 में मेजर अभिलाषा बराक को 'संयुक्त राष्ट्र जेंडर एडवोकेट अवार्ड' मिला है। राजदूत पर्वतनेनी ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि जो समाज महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व देता है, वह संघर्षों से जल्दी उबरता है। महिलाओं के बिना स्थायी शांति का रास्ता तय नहीं किया जा सकता।

अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आईएसएस पर रहेंगे 240 दिन, नासा बोला- मिशन के लिए 14 जुलाई को भरेंगे उड़ान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के फिजिशियन और नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अपने जीवन के पहले अंतरिक्ष मिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर लगभग 8 महीने यानी 240 दिन का लंबा समय बिताएंगे। यह मिशन मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 को कजाखस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से लॉन्च किया जाएगा। अनिल मेनन और उनका दल वसंत 2027 तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेगा। इस दौरान वे कई ऐसे वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल पर भेजे जाने वाले मानव मिशनों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष का यह सफर अनिल मेनन अकेले तय नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आईएसएस के मिशन हमेशा एक टीम के रूप में होते हैं। वह एक अंतरराष्ट्रीय क्रू के सदस्य के रूप में रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। शून्य गुरुत्वाकर्षण में इन्सानी शरीर को ढालने पर होगी खोज मिशन पर 240 दिन बिताने के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। नासा के अनुसार, मेनन का मुख्य काम यह रिसर्च करना होगा कि अंतरिक्ष के वातावरण और शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानी शरीर खुद को कैसे ढालता है। बता दें कि मिनेसोटा के मिनियापोलिस में जन्मे अनिल मेनन के माता-पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के अप्रवासी हैं।

अमेरिका-ईरान के समझौते पर इस्राइल की नजर, हिजबुल्लाह और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत में इस्रायल के उप-राजदूत फेरेस सेब ने अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई बातचीत पर अहम बयान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 60 दिनों की इस चर्चा में इस्रायल की चिंताओं को सुलझाया जाएगा। उन्होंने साफ कर दिया है कि इस्रायल ईरान के परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा। इसके अलावा, हिजबुल्लाह जैसे गुटों को मिलने वाली ईरानी मदद पर भी इस्रायल को सख्त आपत्ति है। लेबनान सीमा पर तनाव के बीच इस्रायल ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह का खतरा बना रहता है, तो वह अपनी सुरक्षा के लिए कार्रवाई जारी रखेगा। इस्रायल के मुताबिक, लेबनान के साथ शांति के रास्ते में सिर्फ ईरान खड़ा है। हाल ही में हिजबुल्लाह के हमले में एक इस्रायली सैनिक की मौत भी हुई है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और डोनाल्ड ट्रंप ने 14 बिंदुओं वाले एक समझौते पर वर्चुअली हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का लक्ष्य

दोनों देशों के बीच तनाव कम करना और हॉर्मुज जलडमरूमध्य को व्यापार के लिए खोलना है। ईरान का कहना है कि शीर्ष नेताओं के शामिल होने से अब इस समझौते को तोड़ना आसान नहीं होगा। फिलहाल ईरानी बंदरगाहों पर जहाजों की आवाजाही सामान्य रूप से शुरू हो गई है।

वर्साय पैलेस में ट्रंप ने किया ईरान समझौते पर हस्ताक्षर, कहा- यह आसान नहीं था: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वर्साय पैलेस में ईरान के साथ एक अंतरिम समझौते (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान सामने आए वीडियो फुटेज में वे दस्तावेज पर दस्तखत करने से पहले कुछ पल के लिए रुकते हुए दिखाई दिए। पन्ने पर हस्ताक्षर करते समय ट्रंप ने वहां मौजूद लोगों से कहा, मैं आपको यह बता सकता हूं 'यह आसान नहीं था।

बातों से नहीं, कामों से होगा मूल्यांकन

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ हुए नए समझौते (MoU) को लेकर अपनी स्थिति साफ कर दी है। वेंस ने सीबीएन न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि इस समझौते की सबसे अच्छी बात यह है कि यह केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। उन्होंने साफ किया कि अब ईरान का मूल्यांकन उसकी बातों से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और काम के आधार पर होगा। वेंस ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और पूरा प्रशासन ईरान में निर्दोष प्रदर्शनकारियों की हत्या से बहुत परेशान था। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले जो लोग सत्ता में थे, उन्होंने प्रदर्शनकारियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया था। वेंस के अनुसार, वे पुराने नेता अब सत्ता से जा चुके हैं। अब अमेरिका यह देखना चाहता है कि क्या ईरान का नया नेतृत्व अपने लोगों के साथ अलग तरह से व्यवहार करता है।

अमेरिका-ईरान ने शांति समझौते पर किए हस्ताक्षर

पश्चिम एशिया में शांति की ओर एक और कदम आगे बढ़ चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान समझौते के मसौदे पर सहमति जताते हुए हस्ताक्षर कर दिए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार शाम को वर्साय पैलेस में आयोजित रात्रिभोज के दौरान अमेरिका-ईरान समझौते के मसौदे पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर किए। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पश्चिम एशिया संघर्ष समाप्त करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी

जनजातीय छात्रावास बनेंगे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और प्रतिस्पर्धी तैयारी के केंद्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों की व्यवस्थाओं को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में कलेक्टर विकास मिश्रा ने महत्वपूर्ण पहल की है उन्होंने छात्रावास अधीक्षकों की बैठक लेकर शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, अधोसंरचना एवं वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्रावासों के लिए उपलब्ध कराई जा रही राशि का उपयोग केवल विद्यार्थियों के हित एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए ही किया जाए बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, सहायक आयुक्त जोधा सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं छात्रावास अधीक्षक उपस्थित रहे कलेक्टर ने कहा कि कन्या छात्रावासों एवं कन्या आश्रमों की व्यवस्थाओं में विशेष सुधार किया जाए तथा बालक एवं कन्या आश्रमों में सभी आवश्यक सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं उन्होंने भोजन की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि विद्यार्थियों को निर्धारित डाइट प्लान के अनुसार पौष्टिक, संतुलित एवं गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराया जाए साथ ही सभी छात्रावास परिसरों में पोषण वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए गए जिससे विद्यार्थियों को ताजी एवं पौष्टिक सब्जियां उपलब्ध हो सकें और पोषण स्तर में सुधार आए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को समय पर पुस्तकें, गणवेश एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने पर बल दिया उन्होंने कहा कि छात्रावासों में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग केवल छात्रावासों में ही किया जाए तथा उनके संरक्षण एवं पारदर्शी प्रबंधन को सुनिश्चित किया जाए पुस्तकालय व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित एवं समृद्ध बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अध्ययन की संस्कृति विकसित करने के लिए पुस्तकालयों को उपयोगी एवं आकर्षक बनाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि छात्रावासों में आवश्यक खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीदी प्राथमिकता के आधार पर स्व-सहायता समूहों के माध्यम से की जाए जिससे स्थानीय महिला समूहों को रोजगार मिले और क्रय प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विद्यार्थियों के पिता का जाति प्रमाणपत्र उपलब्ध है, उनके जाति

प्रमाणपत्र 30 जून तक अनिवार्य रूप से तैयार किए जाएं साथ ही छात्रावासों में केवल अनुमत गतिविधियां ही संचालित हों तथा अनुशासन एवं सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने हेतु उनका चिन्हांकन करने तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है इसलिए प्रत्येक छात्रावास में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी आवश्यक है। छात्रावासों में उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय भी लिया गया जो धनराशि के विद्यार्थी-केंद्रित उपयोग की रूपरेखा तैयार करेगी साथ ही प्रत्येक छात्रावास में एक स्थानीय समिति गठित करने के निर्देश दिए गए ।

दुधिचुआ परियोजना में बिना सुरक्षा उपकरणों के काम, ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एनसीएल की दुधिचुआ परियोजना में श्रमिक सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया है गुरुवार को सामने आई तस्वीरों में गेवियन कार्य में लगे मजदूर बिना आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के कार्य करते हुए दिखाई दिए जिसके बाद ठेकेदार और परियोजना प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वायरल तस्वीरों में एक श्रमिक भारी हथौड़े से पत्थरों पर कार्य करता नजर आ रहा है जबकि उसके पास हेलमेट, सुरक्षा जूते, दस्ताने एवं रिफ्लेक्टिव सेफ्टी जैकेट जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपकरण मौजूद नहीं थे कार्यस्थल पर बड़े पत्थरों के बीच और जलाशय के किनारे काम होने के कारण दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए मजदूरों से जोखिमपूर्ण कार्य कराया जा रहा है उनका कहना है कि एनसीएल जैसी बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई में श्रमिक सुरक्षा नियमों का पालन न होना अत्यंत चिंताजनक है नागरिकों ने मांग की है कि संबंधित श्रमिकों को तत्काल सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं तथा लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता जताई गई है गौरतलब है कि श्रमिक सुरक्षा नियमों के तहत निर्माण एवं खनन कार्यों में लगे सभी कर्मचारियों को हेलमेट, सुरक्षा जूते, दस्ताने तथा अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना अनिवार्य होता है इन नियमों का पालन न करना गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इस मामले को लेकर एनसीएल के प्रवक्ता रामविजय सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे गंभीर विषय बताया है उन्होंने कहा कि संबंधित महाप्रबंधक से चर्चा कर पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक संघ का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन

रीवा में हजारों शिक्षकों ने रैली निकालकर जताया आक्रोश, 5 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता को लेकर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ में व्यापक आक्रोश देखने को मिला बुधवार को संघ के बैनर तले हजारों शिक्षकों ने कलेक्टर कार्यालय रीवा के समक्ष प्रदर्शन किया और कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई रीवा के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने किया। हजारों शिक्षक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तण्ड क्रमांक-3 के प्रांगण से रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और

अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की रैली के दौरान शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता के निर्णय को वापस लेने की मांग की। कलेक्टर कार्यालय के समक्ष आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता लागू करना उनके सेवा अधिकारों पर सीधा प्रहार है जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा उन्होंने कहा कि शिक्षक संघ इस निर्णय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष जारी रखेगा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई है कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त किया जाए साथ ही इन शिक्षकों की सेवा, वरिष्ठता, पदोन्नति एवं अन्य सेवा लाभों का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित किया जाए यह भी मांग की गई कि आवश्यकता पड़ने पर संसद में उपयुक्त विधायी संशोधन अथवा विशेष प्रावधान लाकर इस वर्ग को स्थायी राहत प्रदान की जाए। शिक्षक संघ ने यह भी मांग की कि सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर शिक्षकों में व्याप्त असमंजस एवं असुरक्षा की स्थिति का तत्काल समाधान किया जाए संघ ने कहा कि देश का शिक्षक समुदाय राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ऐसे में उनके हितों की रक्षा के लिए सरकार को संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं शामिल रहीं। रैली में डॉ. कौशलेन्द्रमणि त्रिपाठी, विजय पाण्डेय, सुदीप पाण्डेय, अर्जुन सिंह, अरुण द्विवेदी, अविनाश गौतम, राजेन्द्र सिंह, राममणि मिश्रा, राघवेन्द्र सोहगौरा, अनिल शुक्ला, रमेश प्रताप सिंह, राजीव मिश्रा, लोली तिवारी, विशाल शुक्ला, विवेक नामदेव, कीर्तिमान द्विवेदी, संजीव मिश्रा, संजय द्विवेदी, राजेश्वर शर्मा सहित हजारों शिक्षक उपस्थित रहे।

प्री-मानसून मेंटेनेंस कार्य के लिए 19 जून को सिहावल सब स्टेशन में रहेगा शटडाउन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मानसून के दौरान अधिक सुरक्षित एवं निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से 132 के.व्ही. सब स्टेशन सिहावल में प्री-मानसून मेंटेनेंस एवं टेस्टिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए 19 जून 2026, शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक शटडाउन प्रस्तावित किया गया है। अधीक्षण अभियंता शिवेन्द्र सिंह बघेल, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, सीधी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यपालन यंत्री (परीक्षण), मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, सिंगरौली द्वारा 132/33 के.व्ही. 50 एम.व्ही.ए. पावर ट्रांसफार्मर पर आवश्यक प्री-मानसून मेंटेनेंस एवं तकनीकी परीक्षण कार्य हेतु शटडाउन का अनुरोध किया गया है उन्होंने बताया कि इस शटडाउन अवधि के दौरान 33 के.व्ही. गेरूआ एवं 33 के.व्ही. बीछी फीडर की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी वहीं 33 के.व्ही. अमिलिया फीडर की आपूर्ति बैक फीडर के माध्यम से देवसर से जारी रहेगी जिससे संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को न्यूनतम असुविधा हो। विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि मौसम एवं तकनीकी परिस्थितियों के अनुसार शटडाउन की अवधि में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह कार्य मानसून के दौरान सुरक्षित, सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।

सीधी में शासकीय भूमि और हैंडपंप को लेकर विवाद, दो पक्षों में लाठी-डंडे से मारपीट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मड़वास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भदौरा के चौहट्टा टोला में गुरुवार सुबह शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक हैंडपंप के उपयोग को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हिंसक झड़प में बदल गया दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई जिसमें कई लोग घायल हो गए जानकारी के अनुसार गांव में शासकीय भूमि पर कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था गुरुवार सुबह विवादित स्थल के पास स्थित सार्वजनिक हैंडपंप के उपयोग को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए पहले कहासुनी हुई और फिर देखते ही देखते मामला उग्र हो गया तथा दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस झड़प में रमेश तिवारी, अमित तिवारी, सुमित तिवारी, गोबिंद सेन और मुन्ना सेन सहित दोनों पक्षों के कई लोग शामिल थे मारपीट के दौरान कुछ महिलाएं भी मौके पर मौजूद थीं और विवाद में उनकी भी भूमिका देखी गई। दोनों पक्षों को एक-दूसरे पर हमला करते हुए देखा जा सकता है लगाए जा रहे आरोपों की पुलिस द्वारा अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल सीधी भेजा गया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है और एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है मड़वास थाना प्रभारी अतर सिंह ने बताया कि फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

वर्षाकाल में जलमग्न पुलों एवं रपटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़, कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वर्षाकाल के दौरान जलमग्न पुलों एवं रपटों पर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारू बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सीधी द्वारा आदेश जारी कर पूर्व वर्षों की भांति जलमग्न स्थलों पर अस्थायी बैरियरों के संचालन एवं निगरानी के लिए कर्मचारियों एवं श्रमिकों की ड्यूटी 15 जून 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है जारी आदेश के अनुसार चूल्ही-बढ़ौरा मार्ग स्थित जलमग्न रपटा पर सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक गई है।

तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर में 21 हजार से अधिक आवेदनों का समाधान

विधायक रीती पाठक ने कहा—अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारा संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सभागार में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का समापन विधायक रीती पाठक की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ शिविर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत प्राप्त कुल 21,191 आवेदनों में से 21,174 आवेदनों का निराकरण एवं स्वीकृति सुनिश्चित की गई जो अभियान की प्रभावशीलता और प्रशासनिक तत्परता का महत्वपूर्ण उदाहरण है समापन अवसर पर विधायक रीती पाठक ने विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत लाभ वितरित किए तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर नागरिकों से संवाद किया उन्होंने उपस्थित लोगों की समस्याएं मांगें एवं सुझाव सुने तथा शेष लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि जनकल्याण शिविरों का उद्देश्य केवल आवेदन एकत्र करना नहीं बल्कि समस्याओं का त्वरित समाधान कर नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है ऐसे शिविर शासन की उसी प्रतिबद्धता का परिणाम हैं जहां प्रशासन स्वयं जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहा है विधायक रीती पाठक ने कहा कि 21,191 आवेदनों में से 21,174 का निराकरण इस बात का प्रमाण है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने पूरी निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य किया है उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने अधिकारों से वंचित न रहे।

संजय टाइगर रिजर्व में एक साल बाद दिखा 'त्रिशूल' बाघ, पर्यटकों में उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय टाइगर रिजर्व में गुरुवार को वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों को एक रोमांचक और दुर्लभ अनुभव प्राप्त हुआ, जब प्रसिद्ध मेल टाइगर ञ्ञ-67 'त्रिशूल' एक साल बाद मंडोला बीट क्षेत्र में दिखाई दिया इस दौरान पर्यटकों ने बाघ को करीब से देखा और जंगल की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह सफारी के दौरान पर्यटक वाहन जैसे ही मंडोला बीट की ओर बढ़ा तभी जंगल में पक्षियों की चहचहाहट तेज हो गई जो किसी वन्यजीव की मौजूदगी का संकेत दे रही थी। कुछ ही समय बाद T-67 'त्रिशूल' बाघ शांत मुद्रा में सामने से गुजरता हुआ दिखाई दिया बाघ को देखते ही सफारी वाहन रोक दिया गया और पर्यटकों ने लगभग आठ मिनट तक उसके दुर्लभ दर्शन किए इसके बाद वह धीरे-धीरे घने जंगल की ओर चला गया पर्यटकों ने इस दृश्य को अपने जीवन का यादगार अनुभव बताया एक पर्यटक राम सुमिरन पटेल ने कहा कि जंगल में पक्षियों की गतिविधि से ही उन्हें अंदाजा हो गया था कि कोई बड़ा वन्यजीव आसपास है उन्होंने बताया कि कुछ ही मिनटों बाद 'त्रिशूल' बाघ आसानी से दिखाई दिया और पूरी तरह शांत अवस्था में जंगल में विचरण करता रहा यह अनुभव अत्यंत रोमांचकारी और अविस्मरणीय रहा। वन विभाग के अनुसार 'त्रिशूल' संजय टाइगर रिजर्व का एक प्रमुख मेल टाइगर है जिसने क्षेत्र में बाघों की संख्या और प्रजनन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है हालांकि लगभग एक वर्ष पूर्व इस बाघ से जुड़ी कुछ घटनाओं के कारण यह लंबे समय तक दृश्य से दूर रहा था जिससे इसके पुनः दिखाई देने को वन्यजीव प्रेमियों के लिए विशेष महत्व दिया जा रहा है। संजय टाइगर रिजर्व के क्षेत्रीय वन मंडल अधिकारी (डीएफओ) राजेश कन्ना टी ने बताया कि T-67 का मुख्य विचरण क्षेत्र मंडोला बीट के आसपास ही है।

बिछिया मोहर्रम कमेटी का गठन, तारिफ खान जानी सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित

26 जून को परम्परागत तरीके से मनाया जाएगा मोहर्रम, निर्धारित मार्गों पर होंगे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 26 जून को मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व की तैयारियों को लेकर बिछिया क्षेत्र में गतिविधियां तेज हो गई हैं पर्व के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के उद्देश्य से बिछिया स्थित मदरसा इस्लामिया में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से बिछिया मोहर्रम कमेटी का गठन किया गया बैठक में उपस्थित ताजियादारों, धार्मिक एवं सामाजिक प्रतिनिधियों तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की आम राय से तारिफ खान जानी को मोहर्रम कमेटी का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। बैठक की अध्यक्षता आली जनाब अमीनुर्रशीद खान उर्फ बाबू भाई ने की इस अवसर पर ताजियादार रईश खान, मुबारक खान, कासिम खान, आबिद खान एवं मस्तान खान, अखाड़ा से आफताब खान अप्पू, गिरोह पार्टी से महफूज खान के प्रतिनिधि, जामा मस्जिद बिछिया के सदर इस्लाम अहमद गुड्डू सहित बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मोहल्ले के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद तारिफ खान जानी ने अपनी कार्यकारिणी समिति की घोषणा की समिति में मोहम्मद लईक खान को सचिव, तौसीफ अहमद रेशी को कार्यकारी अध्यक्ष तथा सहफूज खान, इस्लाम अहमद गुड्डू, मोहम्मद रईश खान, मुख्तार खान, दिले यूनुस, आफताब खान अप्पू, शमीम अख्तर नूर, वाइज खान एवं वाशिद खान को उपाध्यक्ष बनाया गया वहीं माजिद खान को कोषाध्यक्ष, अयाज खान अज्जू एवं अजहरूद्दीन अज्जू को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई इसके अतिरिक्त एनाम खान, अरमान खान राहुल, आशिफ खान गोलू, तौहीद खान बाबू, मस्तान खान, एजाज खान, नूर खान, सुहैल खान, अमन खान, उजैब खान एवं सुनैन खान को सहसचिव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किए गए बैठक का संचालन मोहम्मद लईक खान ने किया। बैठक में मोहर्रम पर्व के आयोजन एवं तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि हजरत इमाम हुसैन और उनके अहले-बैत द्वारा करबला के मैदान में दी गई महान शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम एवं यौमे आशूरा का पर्व इस वर्ष भी पूरी अकीदत, सम्मान और परम्परागत रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा कमेटी के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि क्षेत्र में मोहर्रम की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं विभिन्न अखाड़ा एवं गिरोह पार्टियां अपने पारम्परिक करतबों और फनों का अभ्यास कर रही हैं।

पॉक्सो एक्ट एवं बाल संरक्षण पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न, विधायक व कलेक्टर ने किया संबोधित

बच्चों का सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य की नींव है - विधायक रीती पाठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण एवं उनके अधिकारों के प्रति समाज में व्यापक जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन सीधी द्वारा संचालित 'जागृति अभियान' के अंतर्गत टाटा कॉलेज सीधी में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक रीती पाठक एवं कलेक्टर विकास मिश्रा ने उपस्थित प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम तथा बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला विधायक रीती पाठक ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित बचपन ही उनके उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों से नियमित संवाद बनाए रखें तथा उनके व्यवहार, मित्रों एवं दैनिक गतिविधियों पर आत्मीयता के साथ ध्यान दें उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और संरक्षण एक पवित्र दायित्व है। प्रशिक्षण की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब यहां प्राप्त जानकारी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और समुदाय के प्रत्येक बच्चे तक पहुंचे उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों एवं छात्रावासों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों का नियमित चरित्र सत्यापन किया जाए तथा निजी विद्यालयों में भी नियुक्ति हेतु स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं विधायक ने बाल सुरक्षा को जनभागीदारी का विषय बताते हुए कहा कि विद्यालयों, छात्रावासों एवं समुदाय स्तर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं समाज के जिम्मेदार नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सके कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि कई बच्चे और किशोर विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न का सामना करते हैं लेकिन सामाजिक एवं पारिवारिक कारणों से अपनी बात खुलकर नहीं कह पाते ऐसे में शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के साथ विश्वास का संबंध स्थापित करें जिससे वे बिना भय के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल कानूनों की जानकारी देना नहीं बल्कि बच्चों तक सही संदेश पहुंचाने की क्षमता विकसित करना भी है उन्होंने बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन, पुलिस हेल्पलाइन और अन्य सहायता तंत्रों की जानकारी देने पर विशेष जोर दिया साथ ही मानसिक तनाव एवं अवसाद जैसी स्थितियों से निपटने के लिए भी बच्चों को जागरूक करने की आवश्यकता बताई कलेक्टर ने परिवार और विद्यालयों में बच्चों को महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और संवेदनशीलता के संस्कार देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे एक सुरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण की दिशा मजबूत होगी।

सुरक्षित सिरपः क्वालिटी कंट्रोल हेतु जरूरी डॉक्टर की पर्ची

संपादकीय

भारत में छोटे-मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान-रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आई। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए। लेकिन सवाल सिर्फ कफ सिरप का ही नहीं है। आम भारतीयों की आदत में शुमार है कि लोग अक्सर खांसी-बुखार की दवाइयां यह जाने बगैर सेवन करते हैं कि उनमें क्या-क्या मिला है। यह भी कि इनके उपयोग से हमारे शरीर में क्या-क्या साइड-इफेक्ट हो सकते हैं। यह भी जानने की कोशिश नहीं होती है कि इन सिरप आदि को अन्य दवाओं के साथ लेने से क्या-क्या नकारात्मक प्रतिक्रिया हमारे शरीर में हो सकती है। बहरहाल, अब जब सरकार ने तय कर दिया है कि अनुभवी डॉक्टर की सलाह से ही सिरप आदि खरीदे जा सकते हैं तो मरीजों के तिमारदार तय कर सकेंगे कि किस कंपनी की गुण?वत्ता वाली दवा खरीदनी है। जिससे न केवल इलाज सही हो सकेगा बल्कि यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि मरीज के शरीर में कोई अन्य बीमारी छूट न जाए। लेकिन हकीकत यह भी है कि सिर्फ कठोर कानून बनाने मात्र से ही बेहतर परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते हैं। भारत में पहले से ही दवाइयों की बिक्री के नियमन से जुड़े कानूनों की कमी नहीं है। इसके बावजूद डॉक्टर की पर्ची पर ही उपलब्ध होने वाली दवाइयां अक्सर बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के ही आसानी से मेडिकल स्टोरों में मिल जाया करती हैं।

हादसों में खून से लाल हो रही हैं भारत की सड़कें

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की सड़क बेगुनाहों के खून से लाल हो रही हैं। देश में सड़क हादसों के कारण हर साल करीब 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एक साल में देशभर में 4.80 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हर घंटे औसतन 20 लोगों की जान चली जाती है।

भारत में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में 1,77,175 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में औसतन हर दिन लगभग 485 लोग और हर घंटे 20 से अधिक लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं

भारत में पिछले कुछ वर्षो में सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों का ग्राफ लगातार बढ़ा है:

देशभर में 4,87,707 सड़क हादसे दर्ज किए गए। इन हादसों में 1,77,175 लोगों ने जान गंवाई, जो 2023 (1,72,890 मौतें) के मुकाबले 2.5% अधिक है। साल 2024 में इन दुर्घटनाओं के कारण 4,71,441 लोग घायल हुए हैं

विश्व में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में विशेष रूप से गरीब और विकासशील देशों के लोगों की संख्या में अविश्वसनीय वृद्धि हुई है और इनमें से भी प्रत्येक 5 में से 1 मौत भारत में होती है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में हर घंटे होने वाली लगभग 56 सड़क दुर्घटनाओं में 20 लोगों की जान जाती है। इसी कारण भारत को सड़क दुर्घटनाओं की राजधानी भी कहा जाने लगा है। स्थिति की गंभीरता पिछले मात्र दो तीन दिन की अखबारों में प्रकाशित हादसों की खबरों से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है :5 जून को वैष्णो देवी से श्रद्धालुओं को लेकर आ रही एक पिक-अप गाड़ी और ट्रक की टक्कर में 2 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।6 जून को फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव जंगाला मोड़ के निकट एक पिकअप गाड़ी तथा घोड़ा ट्राले में टक्कर के परिणामस्वरूप 10 लोगों की मौत तथा अनेक घायल हो गए।7 जून को रोपड़ (पंजाब) जिले में भारतगढ़ के निकट एक कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। 7 जून को ही शाहाबाद-पिपली जी.टी. रोड पर एक बेकाबू ट्राले ने एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया जिससे उस पर सवार मोहाली नगर निगम के 2 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई।8 जून को औरंगाबाद (बिहार) में 4 सड़क दुर्घटनाओं में 9 लोगों की जान चली गई तथा अनेक घायल हो गए।8 जून को ही फगवाड़ा में एक मोटरसाइकिल, 2 कारों और एक ट्रक की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार और उसकी 7 वर्षीय बेटी की घटनास्थल पर ही मौत तथा उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

9 जून को शंभू (राजपुरा, पंजाब) में एक ट्रक ड्राइवर ने 2 लोगों को रौंद डाला जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।9 जून को ही चहेड़ (फगवाड़ा, पंजाब) में एक्टिवा पर सवार 2 युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई।9 जून को ही लुधियाना (पंजाब) में एक कंटेनर के चालक ने तेज रफ्तार से उसे बैंक करने की कोशिश में एक मजदूर को रौंद दिया।10 जून को देहरादून (उत्तराखंड) में झाड़पानी क्षेत्र में एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई।10 जून को ही बेगोवाल (पंजाब) में सड़क दुर्घटना में एक कार बेकाबू हो कर पेड़ से टकरा गई जिससे एक दम्पति की मृत्यु हो गई।

10 जून को ही भीखी (पंजाब) में एक ट्राले की टक्कर ट से बाइक रेहड़े पर सवार 2 दोस्तों की जान चली गई।

11 जून को पुणे (महाराष्ट्र) में नवाले पुल से नीचे उतरते समय एक सीमेंट मिक्सर ट्रक बेकाबू होकर मोटरसाइकिल पर जा रहे एक डिलीवरी ब्वाय से टकरा गया जिससे उसकी मौत हो गई। 11 जून को ही गोंडा (उत्तर प्रदेश) में 2 मोटरसाइकिलों की टक्कर में घायलों की मदद करने पहुंचे लोगों को तेज रफ्तार एस.यू. वी. ने रौंद दिया जिससे 4 लोगों की मौत व 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।11 जून को ही फिरोजपुर (पंजाब) में मोटरसाइकिल पर जा रहे 3 युवकों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई।

ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 लागू

अब 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में भी बिना डॉक्टर की पर्ची, नहीं मिलेगी कफ सिरप!

सरकार ने नियमों में किया बड़ा बदलाव -समग्र व्यापक विश्लेषण ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 केवल कफ़ सिरप पर रोक या प्रिस्क्रिप्शन अनिवार्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा सुरक्षा व्यवस्था को पुनर्गठित करने वाला एक व्यापक सुधार है खांसी, जुकाम और श्वसन संबंधी सामान्य रोगों में प्रयुक्त कफ सिरप बिना प्रिस्क्रिप्शन बंदिश के बावजूद ग्रामीण शहरी क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध होंगी- ड्रग विभाग की तात्कालिक जबरदस्त छापेमारी ज़रूरी वैश्विक स्तरपर भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा और दवा नियमन के क्षेत्र में वर्ष 2026 एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा 9 जून 2026 को अधिसूचित ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 केवल एक साधारण कानूनी संशोधन नहीं है, बल्कि यह देश की दवा वितरण प्रणाली,सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा और औषधीय उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक व्यापक सुधारात्मक पहल है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

लंबे समय से कफ सिरप और अन्य औषधीय सिरपों के दुरुपयोग, मिलावट,अनधिकृत बिक्री तथा इनके कारण उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य संकटों को देखते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में संशोधन कर एक ऐसा कदम उठाया है जिसका प्रभाव देश के प्रत्येक नागरिक, चिकित्सक, फार्मासिस्ट, दवा निर्माता तथा स्वास्थ्य प्रशासन पर पड़ेगा। मै एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह निर्णय विशेष रूप से उस पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण हो जाता है जब पिछले कुछ वर्षों में दुनियाँ के कई देशों में भारतीय मूल के कफ सिरपों में डाइएथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले रसायनों की उपस्थिति के कारण बच्चों की मृत्यु के मामले सामने आए थे, जिससे भारत की फार्मास्युटिकल प्रतिष्ठा पर भी प्रश्नचिह्न लगे थे। भारत में औषधियों का नियमन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए ड्रग्स रूल्स, 1945 के माध्यम से किया जाता है।यह कानून औषधियों के निर्माण,परीक्षण, भंडारण, वितरण और बिक्री के लिए आधारभूत कानूनी ढांचा प्रदान करता है। समय के साथ बदलती तकनीक, नई स्वास्थ्य चुनौतियों और दवाबाजार के विस्तार को देखते हुए इन नियमों में अनेक संशोधन किए गए हैं।वर्ष 2026 का यह संशोधन भी उसी प्रक्रिया का हिस्सा है,किंतु इसका महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि यह सीधे तौर पर आम नागरिकों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली दवाओं से संबंधित है। खांसी, जुकाम और श्वसन संबंधी सामान्य रोगों में प्रयुक्त कफ सिरप लंबे समय से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध रहे हैं। कई स्थानों पर इन्हें बिना चिकित्सकीय परामर्श के खरीदा और बेचा जाता रहा है, जिससे दवा के दुरुपयोग, गलत उपचार तथा स्वास्थ्य जोखिमों की सटीकता से संभावना बनी रहती थी।

साथियों, इस संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची के में मौजूद उस प्रावधान को बदल दिया है जिसके अंतर्गत कुछ परिस्थितियों में सिरपों को लाइसेंसिंग और वितरण संबंधी विशेष छूट प्राप्त थी। अनुसूची 'के' मूल रूप से ऐसी दवाओं की श्रेणियों को निर्दिष्ट करती है जिन्हें कुछ नियामकीय प्रावधानों से छूट दी जा सकती है। पहले 1,000 से कम आबादी वाले गांवों में कुछ प्रकार की खांसी की दवाओं और सिरपों की बिक्री बिना पूर्ण लाइसेंसिंग व्यवस्था के भी संभव थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। किंतु समय के साथ यह व्यवस्था कई समस्याओं का कारण बनने लगी। अनधिकृत विक्रेताओं द्वारा दवाओं का भंडारण, गलत दवाओं की बिक्री, गुणवत्ता नियंत्रण की कमी तथा दवा दुरुपयोग जैसी शिकायतें बढ़ने लगीं। इसी संदर्भ में सरकार ने अनुसूची 'के' की संबंधितप्रविष्टि से सिरप शब्द को हटाने का निर्णय लिया है।सिरप शब्द हटाए जाने का प्रभाव अत्यंत व्यापक है। अब खांसी की सिरप सहित अन्य औषधीय सिरपों को वह छूट प्राप्त नहीं होगी जो पहले उपलब्ध थी। इसका अर्थ है कि इन दवाओं की बिक्री और वितरण अब केवल विधिवत लाइसेंस प्राप्त फार्मेसियों और अधिकृत दवा विक्रेताओं के माध्यम से ही किया जा सकेगा। इससे दवा वितरण श्रृंखला पर नियामकीय नियंत्रण मजबूत होगा और अनधिकृत दुकानों अथवा गैर-लाइसेंसधारी विक्रेताओं द्वारा सिरप बेचने की प्रथा समाप्त होगी। व्यावहारिक रूप से इसका परिणाम यह होगा कि आम नागरिकों को ऐसी दवाएं प्राप्त करने के लिए चिकित्सकीय सलाह और वैध औषधीय व्यवस्था का सहारा लेना होगा।

साथियों, इस निर्णय के पीछे केवल प्रशासनिक कारण नहीं हैं, बल्कि गहरे सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी कारण भी हैं। पिछले वर्षों में दुनिया के विभिन्न देशों में कफ सिरप से जुड़ी दुखद घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर चिंता पैदा की थी। कुछ मामलों में सिरप निर्माण के दौरान प्रयुक्त सॉल्वेंट्स में डाइएथिलीन ग्लाइकोल औरएथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले तत्व पाए गए, जिनके सेवन से बच्चों की मृत्यु तक हुई। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि तरल दवाओं के निर्माण और वितरण पर अधिक कठोर निगरानी की आवश्यकता है। भारत, जो विश्व की प्रमुख जेनेरिक दवा उत्पादक शक्ति है, के लिए यह केवल स्वास्थ्य सुरक्षा का विषय नहीं था बल्कि2 वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रश्न भी था। इसलिए सरकार ने न केवल बिक्री संबंधी नियमों को

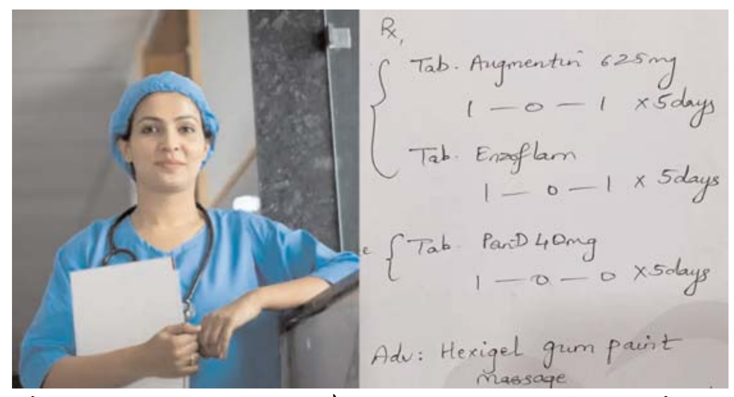

कठोर किया बल्कि निर्माण प्रक्रिया और गुणवत्ता नियंत्रण मानकों को भी सुदृढ़ बनाने की दिशा में कदम उठाए।

साथियों, इसी संदर्भ में गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस तथा अनुसूची 'एम' में किए गए सुधार भी उल्लेखनीय हैं। संशोधित प्रावधानों के अनुसार दवा निर्माण इकाइयों को अधिक उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली,जोखिम प्रबंधन प्रणाली और स्वच्छता मानकों का पालन करना होगा। फार्मास्युटिकल क्वालिटी सिस्टम तथा क्वालिटी रिस्क मैनेजमेंट जैसे वैश्विक मानकों को भारतीय औषधि उद्योग में अधिक प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्माण प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण किया जाए और संभावित जोखिमों की समय रहते सटीकता से पहचान हो सके।

साथियों,सरकार ने तरल दवाओं के लिए एथिलीन ग्लाइकोल और डाइएथिलीन ग्लाइकोल की अनिवार्य जांच को भी महत्वपूर्ण बनाया है। यह कदम विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक माना जा रहा है। किसी भी सिरप के बाजार में आने से पहले उसके रासायनिक परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणीकरण की प्रक्रिया अब और अधिक सख्त होगी। इससे नकली, मिलावटी या निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं के बाजार में पहुंचने की संभावना कम होगी।हालांकि इस निर्णय के सकारात्मक पक्ष जितने महत्वपूर्ण हैं, उतनी ही गंभीर चुनौतियां भी इसके साथ जुड़ी हुई हैं। भारत की एक बड़ी आबादी आज भी ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में निवास करती है,जहां स्वास्थ्य अवसंरचना सीमित है। अनेक गांवों में न तो पर्याप्त चिकित्सक उपलब्ध हैं और न ही लाइसेंस प्राप्त फार्मेसियां। पहले जहां स्थानीय दुकानों पर कफ सिरप आसानी से उपलब्ध हो जाता था,अब वहां के लोगों को दवा प्राप्त करने के लिए नजदीकी कस्बों या शहरों का रुख करना पड़ सकता है।इससे समय,धन और संसाधनों की अतिरिक्त आवश्यकता होगी। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और गरीब परिवारों के लिए यह एक व्यावहारिक चुनौती बन सकती है।

साथियों, फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकालिक असुविधा की तुलना में दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। यदि अनधिकृत बिक्री के कारण घटिया या खतरनाक दवाएं लोगों तक पहुंचती हैं तो उसका नुकसान कहीं अधिक गंभीर हो सकता है।इसलिए सरकार का प्रयास यह प्रतीत होता है कि दवा उपलब्धता और दवा सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। आने वाले समय में यदि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर और टेलीमेडिसिन सुविधाएं विकसित की जाती हैं, तो इस चुनौती को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

साथियों, इस संशोधन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलूदवा दुरुपयोग की रोकथाम से जुड़ा हुआ है। कई प्रकार के कफ सिरप में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिनका अनुचित उपयोग नशे के लिए किया जा सकता है। युवाओं और किशोरों में कुछ सिरपों के दुरुपयोग की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। बिना चिकित्सकीय निगरानी के इन दवाओं की उपलब्धता स्वास्थ्य और सामाजिक दोनों दृष्टियों से चिंता का विषय रही है। नए नियमों के माध्यम से सरकार ने इस जोखिम को कम करने का प्रयास किया है ताकि दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुरूप ही सटीकता से हो। यह भी उल्लेखनीय है कि यह निर्णय अचानक नहीं लिया गया। दिसंबर 2025 में केंद्र सरकार ने मसौदाअधिसूचना जारी कर सार्वजनिक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की थीं। दवा उद्योग, चिकित्सा विशेषज्ञों, नियामक संस्थाओं और अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों का अध्ययन करने के बाद अंतिम नियम अधिसूचित किए गए। इस पूरी प्रक्रिया में ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड से भी परामर्श लिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि यह संशोधन व्यापक विचार-विमर्श और वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर सटीकता से किया गया है।

साथियों, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो भारत का यह कदम उन विकसित देशों की नीतियों के अनुरूप है जहां औषधीय सिरपों की बिक्री पर कठोर नियंत्रण रखा जाता है। अमेरिका, यूरोप, जापान और अन्य विकसित स्वास्थ्य प्रणालियों में दवा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दीजाती है। वहां निर्माण से लेकर वितरण तक प्रत्येक चरण पर कठोर नियामकीय निगरानी होती है। भारत भी अब उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे उसकी फार्मास्युटिकल प्रणाली अधिक विश्वसनीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बन सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि , ड्रग्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 केवल कफ सिरप पर रोक या प्रिस्क्रिप्शन अनिवार्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा सुरक्षा व्यवस्था को पुनर्गठित करने वाला एक व्यापक सुधार है। इसका उद्देश्य दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, मिलावट और दुरुपयोग को रोकना, ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षित औषधि वितरण को बढ़ावा देना तथा भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग को वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बनाना है।यद्यपि इसके क्रियान्वयन में कुछ व्यावहारिक चुनौतियां सामने आएंगी फिर भी जनस्वास्थ्य की दृष्टि से यह एक दूरदर्शी और आवश्यक कदम माना जा सकता है। आने वाले वर्षों में इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार, स्वास्थ्य संस्थाएं, दवा उद्योग और समाज मिलकर इसे कितनी प्रभावी ढंग से लागू करते हैं। भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में यह सुधार न केवल नागरिकों की सुरक्षा को मजबूत करेगा बल्कि विश्व मंच पर देश की औषधीय विश्वसनीयता को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट केवल एकनारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का रणनीतिक मंत्र बनकर उभरा है

वैश्विक स्तरपर भारत आज एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसकी सबसे बड़ी पूंजी-युवाशक्ति- के पास न केवल संख्या का बल है,बल्कि बौद्धिक क्षमता,नवाचार की ऊर्जा और वैश्विक नेतृत्व का आत्मविश्वास भी है।इक्कीसवीं सदी का भारत अब केवल संभावनाओं का देश नहीं,बल्कि परिणाम देने वाला राष्ट्र बन चुका है। ऐसे समय में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट केवल एकनारा नहीं,बल्कि भारत के भविष्य का रणनीतिक मंत्र बनकर उभरा है। यह मंत्र भारतीय युवाओं के चरित्र, कार्यशैली और वैश्विक छवि को परिभाषित करने की क्षमता रखता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि आज पूरी दुनियाँ भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता का लोहा मान रही हैअमेरिका यूरोप, एशिया और खाड़ी देशों की बड़ी राजनीतिक संस्थाओं, शासन प्रणालियों, वैश्विक कंपनियों और तकनीकी दिग्गजों में भारतीय मूल के युवा नेतृत्वकारी भूमिकाओं में हैं।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

सीईओ से लेकर नीति-निर्माता तक, स्टार्ट-अप संस्थापकों से लेकर शोध वैज्ञानिकों तक,भारतीय युवा वैश्विक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन चुके हैं।यह स्थिति स्वतःनहीं आई,बल्किकठोर परिश्रम ज्ञान-संस्कृति और नैतिक मूल्यबोध का परिणाम है।अब आवश्यकता है कि इस बौद्धिक शक्ति को जीरो डिफेक्ट - जीरो इफेक्ट के सिद्धांत से जोड़ा जाए,ताकि भारत की कार्यसंस्कृति विश्व के लिए एक मानक बने। यही वह मार्ग है जो भारत पर लगाए जा रहे टैरिफ जैसे आर्थिक स्पीड ब्रेकर अस्त्रों को निष्प्रभावी कर सकता है।यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है,तो शासकीय और निजी दोनों क्षेत्रों में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी है।अल्पकालिक व्यक्तिगत सुख सुविधा या स्वार्थ के लिए लिया गया एक भी गलत निर्णय देश की दीर्घकालिक साख को चोट पहुँचाता है।जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट का वास्तविक अर्थ तभी साकार होगा जब कार्यप्रणाली में ईमानदारी,पारदर्शिता और जवाबदेही होगी।निजी हित को परे रखकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देना आज कोई आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि आर्थिक और नैतिक अनिवार्यता बन चुकी है।जब कर्मचारी, उद्यमी और अधिकारी अपने दायित्व को राष्ट्र- निर्माण से जोड़ेंगे,तभी भारत पुनः सोने की चिड़िया की संज्ञा को आधुनिक संदर्भ में सार्थक कर पाएगा न केवल त्रेता युग या सतयुग की कल्पना के रूप में,बल्कि इक्कीसवीं सदी की आर्थिक और तकनीकी वास्तविकता के रूप में भी भारत का हर नागरिक अपने जीवन को स्वर्ग से सुंदर बना सकते हैं।

साथियों बात अगर हम मेक इन इंडिया और जीरो डिफेक्ट -जीरो इफेक्ट का अभिन्न संबंध इसको समझने की करें तो मेक इन इंडिया तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके केंद्र में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट का दर्शन न हो। विनिर्माण, उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला, सेवा क्षेत्र और पर्यावरण हर गतिविधि में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।गुणवत्ता में कोई दोष न हो और पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े यही आधुनिक विकास का वैश्विक मानदंड है।जब भारत में निर्मित वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बनेंगी, तब मेड इन इंडिया केवल एक टैग नहीं, बल्कि भरोसे की मुहर बन जाएगा। दुनियाँ यह कहने लगे कि यदि कोई उत्पाद लेना है, तो भारत में निर्मित उत्पाद ही लेना चाहिए, क्योंकि वह सर्वोत्तम है, टिकाऊ है और नैतिक उत्पादन का सटीक उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम विश्व गुरु की अवधारणा और विज़न 2047 इसको समझने की करें तो,यदि विश्व में यह धारणा स्थापित हो जाती है कि भारत की वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता में बेजोड़ हैं,तो भारत का विश्व गुरु बनना कोई दूर का सपना नहीं रहेगा। विज़न 2047 जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा तब तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तभी प्राप्त होगा,जब विकास केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि मानसिकता और मूल्यों में भी दिखाई दे।भारत की अर्थव्यवस्था का दसवें स्थान से चौथे स्थान तक पहुँचना यह संकेत देता है कि दिशा सही है। अब समय है कि युवा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की कमान स्वयं संभालें। नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि दृष्टि, कौशल और चरित्र से आता है।

साथियों बात अगर हम टेक- आत्मनिर्भर भारत :अगली बड़ी छलांग इसको समझने की करें तो, आने वाले दशक का सबसे बड़ा फोकस टेक-आत्मनिर्भर भारत होना चाहिए।नवाचार अनुसंधान,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर,रक्षा तकनीक,हरित ऊर्जा,बायोटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,इन सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता भारत की रणनीतिक सुरक्षा और आर्थिक मजबूती दोनों के लिए आवश्यक है।अब समय आ गया है कि भारत की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए और नए उत्पादों का विकास तेज़ी से किया जाए। ये उत्पाद केवल सस्ते नहीं, बल्कि श्रेष्ठ होने चाहिए,जीरो डिफेक्ट- जीरो इफेक्ट के सिद्धांत पर आधारित। भारत के युवाओं की प्रतिभा ही आत्मनिर्भर भारत के इस विज़न का नेतृत्व करेगी और विश्व को बताएगी कि नवाचार का नया केंद्र अब भारत है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय हित,स्पष्ट इरादे और ईमानदार प्रयास इसको समझने की करें तो,भारत तेजी से दुनियाँ की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।लेकिन आर्थिक आकार तभी सार्थक होगा जब उसके पीछे राष्ट्रीय हित को समर्पित दृष्टिकोण होगा। चाहे हम राष्ट्र-राज्य की सेवा में हों या निजी क्षेत्र में हम सबको भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनानी होगी।यदि हर नागरिक यह संकल्प ले कि वह एक रुपये का भी भ्रष्टाचार नहीं करेगा, तो विज़न 2047 की मंज़िल तक पहुँचने से भारत को कोई शक्ति नहीं रोक सकती। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से आएगी। यह गति स्पष्ट इरादों और ईमानदार प्रयासों से जन्म लेगी। साथियों बात अगर हम भारतीय प्रधानमंत्री का संदेशऔर युवाओं की भूमिका को समझने की करें तो पीएम द्वारा लाल किले से लेकर विभिन्न मंचों तक और 25 जनवरी 2026 के मन की बात कार्यक्रम में जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट पर दिया गया ज़ोर यह स्पष्ट करता है कि यह केवल औद्योगिक नीति नहीं,बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आह्वान है। युवाओं के लिए यह संदेश विशेष रूप से रेखांकित करने योग्य है, क्योंकि भविष्य का भारत उन्हीं के हाथों में है।आज जो अवसर, संसाधन और सुविधाएँ उपलब्ध हैं,संभव है भविष्य में वैसीपरिस्थितियाँ न रहें। इसलिए समय की मांग है कि निजी स्वार्थ छोड़कर राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाया जाए और मेक इन इंडिया को अभूतपूर्व प्रतिसाद दिया जाए।

साथियों बात अगर हम टैरिफ की दीवारें और भारतीय गुणवत्ता की ताकत इसको समझने की करें तो यदि भारत जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट के मंत्र पर ईमानदारी से चलता है तो कोई भी देश,चाहे वह अमेरिका ही क्यों न हो 100,500 या 1000 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए,भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग को रोक नहीं सकता।जब गुणवत्ता निर्विवाद होगी,तो टैरिफ की दीवारें स्वयंकमजोर पड़ जाएँगी दुनियाँ तब भारतीय उत्पादों को इसलिए खरीदेगी क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं, टिकाऊ हैं और भरोसेमंद हैं। भारत में निर्मित वस्तुओं का ऐसा सिक्का जमेगा कि टैरिफ का बंधन भी उसे रोक नहीं पाएगा। यही स्थिति भारत के विकास और विज़न 2047 की यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि मंत्र के सहयोगसे मिशन तक पहुंचने की यात्रा हम आसानी से पूरी कर सकते हैंजीरो डिफेक्ट- जीरो इफेक्ट आज एक मंत्र नहीं, बल्कि मिशन बन चुका है।यह मिशन भारतीय युवाओं की सोच, कार्य और नेतृत्व को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का आह्वान करता है।यदि भारत का हर युवा इसे अपने जीवन और कार्यशैली का हिस्सा बना ले, तो न केवल भारत आत्मनिर्भर बनेगा,बल्कि दुनियाँ के लिए एक नैतिक,टिकाऊ और विश्वसनीय विकास मॉडल भी प्रस्तुत करेगा।

सिंध नदी के रिजौदी घाट पर माइनिंग विभाग की बड़ी कार्रवाई

अवैध रेत उत्खनन में 10 ट्रैक्टर और 3 हाइड्रा जब्त, चालक वाहन छोड़कर फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है बदरवास थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंध नदी के रिजौदी घाट पर बुधवार देर रात माइनिंग विभाग ने पुलिस के सहयोग से छापेमार कार्रवाई करते हुए अवैध रेत उत्खनन में संलिप्त 10 ट्रैक्टर एवं 3 हाइड्रा वाहन जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक अपने वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गए जानकारी के अनुसार जिले में लंबे समय से सिंध नदी के विभिन्न घाटों से अवैध रूप से रेत उत्खनन और परिवहन किए जाने की शिकायतें प्रशासन को प्राप्त हो रही थीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए माइनिंग विभाग ने बदरवास थाना पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया देर रात रिजौदी घाट पर की गई छापेमारी में बड़ी संख्या में वाहन अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए। माइनिंग विभाग की टीम के घाट पर पहुंचते ही वहां मौजूद वाहन चालकों और संबंधित लोगों में हड़कंप मच गया कार्रवाई की भनक लगते ही अधिकांश चालक अपने वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गए इसके बाद विभागीय अधिकारियों ने सभी वाहनों को अपने कब्जे में लेकर जब्ती की कार्रवाई की। जब्त किए गए 13 वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से बदरवास थाना परिसर में पुलिस की सुपुर्दगी में खड़ा कराया गया है विभाग द्वारा सभी वाहनों के दस्तावेजों और अवैध खनन से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी माइनिंग विभाग के अनुसार बदरवास क्षेत्र में सिंध नदी के कई घाटों पर लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन का कारोबार संचालित होने की शिकायतें मिल रही थीं रिजौदी घाट पर की गई यह कार्रवाई जिले में हाल के समय की सबसे बड़ी खनन विरोधी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है इस कार्रवाई से अवैध खनन कारोबार से जुड़े लोगों में चिंता और बेचैनी का माहौल देखा जा रहा है। माइनिंग इंस्पेक्टर ऋषभ दीक्षित ने बताया कि कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि रिजौदी घाट से कुल 13 वाहन जब्त किए गए हैं जिनमें 10 ट्रैक्टर और 3 हाइड्रा वाहन शामिल हैं उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि गोपालपुर थाना क्षेत्र में अलग से की गई कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन में प्रयुक्त एक जेसीबी मशीन भी पकड़ी गई है। संबंधित मामलों के प्रकरण तैयार कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे जहां खनिज नियमों के तहत जुर्माना एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि जिले में अवैध खनन गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अधिकारियों ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और राजस्व हानि को रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डायल-112 की तत्परता से परिजनों से बिछड़ा 3 वर्षीय मासूम सुरक्षित मिला

मीडिया ऑडीटर, भिंड (निप्र)। भिंड जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र में डायल-112 पुलिस जवानों की तत्परता और संवेदनशील कार्यवाही से परिजनों से बिछड़ा एक 3 वर्षीय मासूम सुरक्षित अपने परिवार तक पहुंच सका समय पर मिली पुलिस सहायता ने एक परिवार की बड़ी चिंता को दूर कर दिया और बालक को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। जानकारी के अनुसार 17 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली क्षेत्र के झांसी मोहल्ला से एक 3 वर्षीय बालक लापता हो गया है बालक के परिजन काफी समय से उसकी तलाश कर रहे थे लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पा रहा था स्थिति को गंभीर देखते हुए तत्काल पुलिस सहायता मांगी गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना कोतवाली क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके पर रवाना किया गया।डायल-112 स्टाफ में शामिल आरक्षक अनुराग एवं पायलट संजय सिंह भदौरिया ने घटनास्थल पर पहुंचकर बालक के परिजनों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। साथ ही बालक का फोटो लेकर आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से तलाश अभियान शुरू किया गया। पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों से पूछताछ करते हुए विभिन्न स्थानों पर खोजबीन की लगातार प्रयासों के दौरान बालक के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई, जिसके आधार पर डायल-112 जवानों ने उसे सुरक्षित संरक्षण में लिया इसके बाद आवश्यक पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और डायल-112 टीम का आभार व्यक्त किया स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की। यह घटना डायल-112 सेवा की प्रभावशीलता और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है डायल-112 केवल आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों, महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

रायपुर में रैश ड्राइविंग पर हंगामा, आरोपी युवक की हुई पिटाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर में तेज रफ्तार और रैश ड्राइविंग को लेकर बड़ा हंगामा हो गया कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोतीबाग के पास एक थार वाहन चालक द्वारा कथित रूप से लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने और बाइक को टक्कर मारने के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि मौके पर युवक की पिटाई हो गई इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार होटल कारोबारी एवं शराब घोटाले के आरोपी नितेश पुरोहित के पुत्र आर्यन पुरोहित पर आरोप है कि वह थार को तेज गति से चला रहा था और मोतीबाग के सामने कई बाइक सवारों को अचानक कट मारते हुए आगे बढ़ रहा था इसी दौरान उसकी टक्कर एक बाइक सवार से हो गई जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और वाहन रोककर विरोध जताया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विरोध के दौरान आर्यन पुरोहित और बाइक सवारों के बीच कहासुनी शुरू हो गई जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई आरोप है कि इस दौरान युवक ने कथित रूप से प्रभावशाली लोगों से संबंधों का हवाला देते हुए भीड़ पर दबाव बनाने का प्रयास किया और पुलिस बुलाने की बात कही।

जिले में कौशल विकास को मिलेगी नई गति, 330 युवाओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के युवाओं को रोजगारोन्मुखी एवं उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास गतिविधियों को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है कलेक्टर के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंकिता सोम शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला कौशल विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान जिले के 330 युवाओं को विभिन्न रोजगारोन्मुखी क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इस लक्ष्य की प्रभावी पूर्ति के लिए विभिन्न विभागों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम शर्मा ने स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों को कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन हेतु शीघ्र वीटीपी (वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोवाइडर) के रूप में पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी समय-सीमा बैठक में विभागवार प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा निर्धारित कार्यों में विलंब होने पर जवाबदेही तय की जाएगी बैठक के दौरान सहायक संचालक जिला कौशल विकास ने जिले में संचालित प्रशिक्षण संस्थानों की जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्तमान में जिले में चार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) तथा एक पॉलिटेक्निक कॉलेज संचालित हैं इन संस्थानों में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न व्यवसायों एवं तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिनका उद्देश्य युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थाओं के प्राचार्यों तथा अधीक्षकों के पिछले वित्तीय वर्ष के कार्यों की समीक्षा करते हुए वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों के अनुरूप शीघ्र बैच गठन करने प्रशिक्षणार्थियों का पंजीयन पूर्ण करने तथा आवश्यक जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर टीबीएन जारी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समय पर संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारियां जून माह के भीतर पूरी कर ली जानी चाहिए।

किसान की जमीन का फर्जी अनुबंध कराने का आरोप : दस्तावेजों की जांच में करेंगी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के ग्वालियर बायपास रोड निवासी 85 वर्षीय किसान रामजीलाल वर्मा की जमीन का कथित फर्जी अनुबंध कराने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने सीजेएम न्यायालय के आदेश पर एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने शिवकुमार गौतम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) और 336(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है आरोपी शिवकुमार गौतम किड्स गार्डन स्कूल के पास शिवपुरी का निवासी है शिकायत के मुताबिक, रामजीलाल वर्मा के नाम राजस्व अभिलेखों में भूमि सर्वे नंबर 609/2 दर्ज है। आरोप है कि फरवरी 2024 में शिवकुमार गौतम ने इस भूमि को अपनी बताकर हेमंत कुमार गुप्ता के साथ अनुबंध कर लिया शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि यह अनुबंध पूरी तरह फर्जी और कूटरचित है जिसका उद्देश्य उनकी संपत्ति से अवैध लाभ प्राप्त करना था रामजीलाल वर्मा ने इस मामले की शिकायत पहले फिजिकल थाना, कोतवाली थाना और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की थी हालांकि कोई कार्रवाई न होने पर उन्होंने सीजेएम न्यायालय में परिवाद दायर किया। न्यायालय ने सुनवाई के बाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175(3) के तहत कोतवाली थाना पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 'डिजिटल मित्र' कोर्स हेतु आवेदन आमंत्रित

25 जून तक कर सकेंगे आवेदन, युवाओं को मिलेगा रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, खड़गवां (निप्र)। जिले के युवाओं को डिजिटल क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत संचालित डिजिटल मित्र कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) खड़गवां द्वारा संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 25 जून 2026 तक आवेदन जमा कर सकते हैं।

संस्था के प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को आधुनिक डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन कार्य प्रणालियों तथा तकनीकी कौशलों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है वर्तमान समय में डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए यह कोर्स युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करने तथा स्वरोजगार स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि तक स्वयं उपस्थित होकर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, खड़गवां में आवेदन पत्र जमा करना होगा प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन दस्तावेजीकरण, ई-गवर्नेंस सेवाओं और तकनीकी कार्यों से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिससे वे डिजिटल क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर उन्हें रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं के विस्तार को भी गति मिलेगी संस्था प्रशासन ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता एवं अन्य आवश्यक जानकारी के लिए अभ्यर्थी सीधे आईटीआई खड़गवां से संपर्क कर सकते हैं। जिले के पात्र एवं इच्छुक युवाओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि 25 जून 2026 से पूर्व आवेदन प्रस्तुत कर मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाएं और अपने भविष्य को नई दिशा देने के अवसर का लाभ लें यह प्रारूप स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु उपयुक्त है जिसमें शीर्षक, उपशीर्षक और समाचार शैली की भाषा का उपयोग किया गया है।

माउंट किलिमंजारो फतह कर लौटीं निरीक्षक दीपिका गौतम, डीजीपी ने किया सम्मानित

अफ्रीका की सर्वोच्च चोटी पर तिरंगा और मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराकर बढ़ाया प्रदेश का गौरव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की निरीक्षक दीपिका गौतम ने अफ्रीका महाद्वीप की सर्वोच्च पर्वत चोटी माउंट किलिमंजारो पर सफलतापूर्वक तिरंगा फहराकर प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय में उनसे सौजन्य भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर डीजीपी मकवाणा ने कहा कि निरीक्षक दीपिका गौतम की सफलता मध्यप्रदेश पुलिस की महिला अधिकारियों की क्षमता, साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रतीक है उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि ने न केवल पुलिस विभाग बल्कि पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है उनकी सफलता प्रदेश की महिलाओं, युवाओं तथा पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस मुलाकात के दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी) जयदीप प्रसाद एवं पुलिस महानिरीक्षक एससीआरबी हरिनारायणचारी मिश्र भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी) में पदस्थ निरीक्षक दीपिका गौतम ने 29 मई 2026 को अफ्रीका की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट किलिमंजारो के गिलमैन्स प्वाइंट (5685 मीटर) पर पहुंचकर भारतीय तिरंगा तथा मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराया था इस अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण अभियान में वे भारत की एकमात्र प्रतिभागी थीं। इस उपलब्धि के साथ दीपिका गौतम मध्यप्रदेश पुलिस की पहली महिला अधिकारी बन गई हैं जिन्होंने तंजानिया स्थित विश्व प्रसिद्ध माउंट किलिमंजारो को सफलतापूर्वक फतह किया है उनकी इस उपलब्धि को प्रदेश पुलिस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। माउंट किलिमंजारो अभियान पांच दिनों का अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण पर्वतारोहण अभियान था अभियान के दौरान तीन बेस कैंप पार करने के बाद अंतिम चढ़ाई रात्रि के समय शुरू की गई इस दौरान तापमान माइनस 10 से 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। लगातार बदलते मौसम, तेज ठंड और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों ने अभियान को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया था इन सभी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद निरीक्षक दीपिका गौतम ने अदम्य साहस, धैर्य और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए लक्ष्य प्राप्त किया उनकी सफलता यह साबित करती है कि मजबूत संकल्प और निरंतर प्रयास के बल पर किसी भी कठिन लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मध्यप्रदेश पुलिस परिवार ने उनकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण, साहस और उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रेरणादायी उदाहरण बताया है।

बीज अनुदान योजना से बदली किसान बुद्धु की खेती की तस्वीर

प्रमाणित बीज और उर्वरक मिलने से बढ़ा आत्मविश्वास, बेहतर उत्पादन की उम्मीद जगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन की किसान हितैषी योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं जिले के ग्राम गरुड़डोल निवासी किसान बुद्धु इसका जीवंत उदाहरण हैं खरीफ सीजन की तैयारी के दौरान उन्हें आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित जनकपुर के माध्यम से प्रमाणित बीज एवं कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराई गई जिससे उनकी खेती को नई दिशा मिली है और बेहतर उत्पादन की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। किसान बुद्धु वर्षों से खेती-किसानी के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करते आ रहे हैं कृषि ही उनकी आय का मुख्य साधन है लेकिन बढ़ती खेती लागत और गुणवत्तायुक्त बीजों की अनुपलब्धता उनके लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। कई बार बाजार से खरीदे गए बीज अपेक्षित गुणवत्ता के नहीं होते थे जिससे उत्पादन प्रभावित होता था और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता था ऐसे समय में सहकारी समिति के माध्यम से उन्हें समय पर प्रमाणित धान बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता ने बड़ी राहत प्रदान की है समिति द्वारा उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम का प्रमाणित धान बीज एमटीयू-1153, इफको का एनपीके उर्वरक तथा कम्पोस्ट बूस्टर उपलब्ध कराया गया इन कृषि आदानों का उपयोग कर बुद्धु इस बार वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की तैयारी में जुटे हुए हैं कृषि विशेषज्ञों के अनुसार प्रमाणित बीजों का उपयोग बेहतर अंकुरण रोग प्रतिरोधक क्षमता और अधिक उत्पादन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है यही कारण है कि गुणवत्तायुक्त बीज प्राप्त होने के बाद किसान बुद्धु का खेती के प्रति विश्वास और उत्साह दोनों बढ़े हैं उन्हें उम्मीद है कि इस बार फसल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति बेहतर तरीके से हो सकेगी। किसान बुद्धु बताते हैं कि पहले बाजार से बीज और उर्वरक खरीदने में काफी खर्च करना पड़ता था साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर भी हमेशा संशय बना रहता था लेकिन सहकारी समिति के माध्यम से प्रमाणित सामग्री मिलने से उन्हें आर्थिक राहत मिली है और खेती में निवेश का जोखिम भी कम हुआ है उनका कहना है कि यदि किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज और कृषि संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो खेती को लाभदायक व्यवसाय बनाया जा सकता है।

घर में हुए भीषण ब्लास्ट में दूसरी मौत, 11 वर्षीय बालक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुड़र में बुधवार सुबह हुए भीषण विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है हादसे में गंभीर रूप से झुलसे 11 वर्षीय कल्ला आदिवासी ने गुरुवार को ग्वालियर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया इससे पहले मलबे में दबने से चार वर्षीय मासूम जानवी प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई थी घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार यह दर्दनाक हादसा बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे उस समय हुआ जब प्राणसिंह प्रजापति के घर में खाना बनाया जा रहा था अचानक हुए जोरदार विस्फोट से पूरा मकान दहल उठा धमाका इतना शक्तिशाली था कि मकान की दीवारें और छत भरभराकर गिर गईं तथा घर में आग लग गई विस्फोट की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी जिससे आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े हादसे के समय घर में मौजूद चार वर्षीय जानवी प्रजापति मलबे के नीचे दब गई थी स्थानीय लोगों और प्रशासनिक टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी वहीं पड़ोस में रहने वाला 11 वर्षीय कल्ला आदिवासी भी विस्फोट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया था। घटना के बाद घायलों को तत्काल उपचार के लिए शिवपुरी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया चिकित्सकों ने कल्ला आदिवासी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जयारोग्य अस्पताल (जेएएच), ग्वालियर रेफर कर दिया था। वहां उपचार के दौरान गुरुवार को उसकी मृत्यु हो गई मृतक बालक के शव का पोस्टमार्टम ग्वालियर में कराया जा रहा है। हादसे में रौशनी प्रजापति, प्राणसिंह प्रजापति और शिवा प्रजापति भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं सभी का उपचार ग्वालियर के अस्पताल में जारी है।

दादर-सूबेदारगंज-वलसाड़ के बीच स्पेशल ट्रेन

यात्रियों को मिलेगी सुविधा, रतलाम में रहेगा स्टॉपेज, जाने शेड्यूल

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। यात्रियों की सुविधा एवं ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान बढ़ती भीड़ को ध्यान में रख रेल प्रशासन द्वारा रतलाम मंडल से होकर दादर-सूबेदारगंज एवं वलसाड-सूबेदारगंज के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। इन दोनों ट्रेनों का रतलाम स्टेशन पर स्टॉपेज रहेगा। ट्रेन संख्या 04176 दादर-सूबेदारगंज सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को दादर से 00:15 बजे चलेगी। रतलाम मंडल के रतलाम (09:30/09:35) होते हुए अगले दिन 5 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 जून से 14 जुलाई तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04175 सूबेदारगंज-दादर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को सूबेदारगंज से 16.10 बजे चलेगी। रतलाम(09.35 / 09.45), होते हुये अगले दिन 22.40 बजे दादर पहुंचेगी।

● यहां रहेगा स्टॉपेज

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, छायापुरी, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास, फतेहपुर सीकरी, आगरा ईदगाह, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सकेंड क्लास कोच होंगे।

● वलसाड-सूबेदारगंज

संख्या 04178 वलसाड-सूबेदारगंज स्पेशल प्रत्येक बुधवार को वलसाड से 14.45 बजे चलेगी। रतलाम (23.05/23.10) होते हुए अगले दिन 19 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। यह ट्रेन 15 जुलाई 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04177 सूबेदारगंज-वलसाड स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को सूबेदारगंज से 5 बजे चलेगी। रतलाम(01.30/01.35), होते हुए अगले दिन 10.10 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन तत्काल 14 जुलाई तक चलेगी।

● इन स्टेशनों पर रुकेगी

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, छायापुरी, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा ईदगाह, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशनों रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सकेंड क्लास कोच होंगे।

रायसेन शासकीय सांदीपनि स्कूल के नए भवन में कक्षाएं शुरू,बच्चों का तिलक लगाकर हुआ स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन। नए शिक्षा सत्र के साथ ही शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटनदेव के विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है। वर्षों से जर्जर भवन में पढ़ाई कर रहे बच्चों की कक्षाएं अब नवीन भवन में शुरू हो गई हैं। इसके साथ ही इस सत्र से विद्यार्थियों को कॉमर्स (वाणिज्य) संकाय की सुविधा भी उपलब्ध होगी। स्कूल का संचालन 16 जून से नए भवन में प्रारंभ कर दिया गया है। दशहरा मैदान स्थित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पास निर्मित इस विद्यालय भवन में प्रवेश से पूर्व विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और प्रवेश उत्सव मनाया गया। नए भवन में पहुंचकर बच्चों और शिक्षकों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। विद्यालय के प्राचार्य एल.एन. प्रधान ने बताया कि पुराने भवन की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी थी। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता था, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को पढ़ाई में परेशानी का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब नवीन भवन में पर्याप्त कक्षाएं, बेहतर सुविधाएं और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार आएगा। प्राचार्य प्रधान ने यह भी बताया कि विद्यालय में पहले से गणित, विज्ञान और कला संकाय संचालित थे। इस वर्ष से कॉमर्स (वाणिज्य) संकाय भी शुरू किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को अपने शहर में ही विषय चयन के अधिक अवसर मिलेंगे और उच्च शिक्षा के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर प्राथमिक विभाग के प्रधान अध्यापक सूर्यप्रकाश सक्सेना सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। विद्यालय में वर्तमान में करीब 900 से 1000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। नवीन भवन में कक्षाएं शुरू होने और कॉमर्स संकाय की शुरुआत पर विद्यार्थियों, में खुशी देखी गई।

सीहोर में इस बार हुई दोगुनी से ज्यादा बारिश, पिछले साल के मुकाबले प्री-मानसून सीजन में हुई रिकॉर्ड बारिश

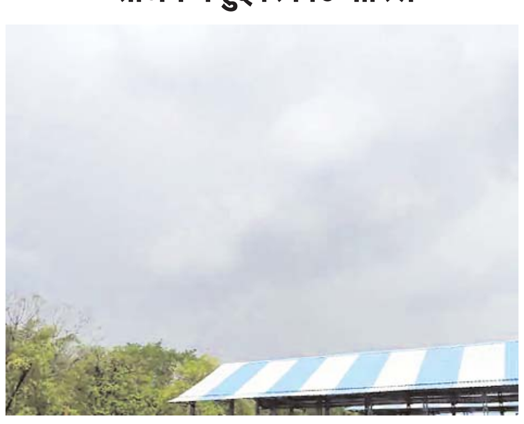

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के किसानों और आम जनता के लिए मानसून की दस्तक से पहले ही राहत भरी खबर आ रही है। आधिकारिक वर्षा रिपोर्ट 18 जून के आंकड़ों के अनुसार, इस साल सीहोर जिले में प्री-मानसून सीजन की शुरुआत बेहद शानदार रही है। पिछले साल की तुलना में इस बार जिले में अब तक दोगुनी से भी अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है, जिससे मानसून के आने से पहले ही धरती की प्यास बुझने लगी है।

1 जून से 18 जून तक की बारिश: औसत कुल इस साल 1 जून से आज तक जिले में 2.70 इंच औसत बारिश हो चुकी है, जबकि पिछले साल इसी अवधि 1 जून 2025 से 18 जून 2025 में यह आंकड़ा महज 1.37 इंच था। यानी इस बार करीब दोगुनी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इछावर और भैरूंदा में सबसे ज्यादा बरसे बादल, जिले में इस सीजन में अब तक सबसे अधिक बारिश भैरूंदा में 4.68 इंच और इछावर में 4.25 इंच दर्ज की गई है। मुख्य सीहोर केंद्र की स्थिति, सीहोर केंद्र पर अब तक 3.40 इंच वर्षा हो चुकी है, जो पिछले वर्ष की इस अवधि की वर्षा 2.35 इंच से काफी बेहतर है।

मानसून सीहोर जिले में कब आएगा: जिस तरह से जिले में 18 जून को ही औसत 0.22 इंच दैनिक बारिश दर्ज की गई है और आसमान में बादलों का डेरा है, उससे साफ है कि मानसून की आधिकारिक एंट्री अगले कुछ ही दिनों में जिले में होने वाली है। प्री-मानसून की इस अच्छी शुरुआत ने किसानों के चेहरे पर रौनक ला दी है।

कितनी हुई कुल बारिश: भैरूंदाः 4.68 इंच, इछावरः 4.25 इंच, सीहोरः 3.40 इंच, बुधनीः 2.93 इंच, आष्टाः 2.44 इंच, रेहटीः 1.36 इंच, श्यामपुरः 1.33 इंच,जावरः 1.22 इंच।

खरगोन में कुंदा समेत 3 पहाड़ी नदियां सूखीं: मानसून की देरी से बिगड़े हालात, खरीफ की फसल बुआई पर पड़ेगा असर

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में मानसून की देरी के कारण स्थिति गंभीर हो गई है। कुंदा सहित तीन प्रमुख पहाड़ी नदियां सूखकर मैदान में तब्दील हो गई हैं। इससे मवेशियों के लिए पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। आदिवासी क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन से खारक और अपरवेदा बांधों से नदियों में पानी छोड़ने की मांग की है। मानसून की देरी से खरीफ की बुवाई भी पिछड़ने की आशंका है। इस सीजन में अब तक जिले में केवल 5.5 मिलीमीटर औसत बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य औसत 61.2 मिलीमीटर से लगभग 2 इंच कम है। पिछले साल इसी अवधि तक 61.2 मिलीमीटर बारिश हो चुकी थी।मौसम विभाग के अनुसार, 22-23 जून से मानसून पूर्व गतिविधियों का अनुमान है। जिले में दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। शुक्रवार सुबह 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

नर्मदापुरम में पंजाब से आए हार्वेस्टर ड्राइवर की मौत

रात को खाना खाकर सोया, सुबह पलंग पर मृत मिला, हार्ट अटैक की आशंका

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के ग्राम अंधियारी स्थित सिद्धिविनायक वेयरहाउस में गुरुवार सुबह पंजाब निवासी एक हार्वेस्टर ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 60 वर्षीय मृतक बुधवार रात साथियों के साथ खाना खाकर सोया था, जिसके बाद वह सुबह नहीं उठा। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण साइलेंट हार्ट अटैक माना जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, मृतक रमेश कुमार (60) पिता गोविंद राम पंजाब के पटियाला का रहने वाला था। वह पंजाब निवासी जसराज का हार्वेस्टर चलाता था। ग्रीष्मकालीन मूंग फसल की कटाई के सिलसिले में रमेश 20 दिन पहले अपने साथियों के साथ पटियाला से नर्मदापुरम आया था। वे सभी ग्राम अंधियारी में सुनील मीणा और सोमेश मीणा के सिद्धिविनायक वेयरहाउस में रह रहे थे।

सुबह उठाने गए तो शरीर में नहीं हुई हलचल: मृतक के साथियों ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात रमेश ने सभी के साथ मिलकर सामान्य रूप से खाना खाया था। कुछ देर जागने और बातचीत करने के बाद वह सोने चला गया। गुरुवार सुबह जब वह नहीं उठा, तो साथियों ने उसे जगाने की कोशिश की। शरीर में कोई हलचल न होने पर साथी उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले गए, जहां परीक्षण के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस बोली: पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी असली वजह

देहात थाने के एएसआई दिनेश मेहरा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने पंचनामा और अन्य वैधानिक कार्रवाई पूरी कर ली है। उन्होंने बताया कि आशंका है कि रात में सोते समय रमेश को साइलेंट हार्ट अटैक आया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु की सटीक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

रास्ते को लेकर विवाद में बुजुर्ग महिला को घसीटा, सीहोर के गणेश मंदिर के पास चले लाठी-डंड

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में गणेश मंदिर के पास रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान लाठी-डंडे और लात-घूंसे चले, जिसमें एक बुजुर्ग महिला को घसीटा गया और कई लोग घायल हो गए। यह घटना आज दोपहर की बताई जा रही है। विवाद जमीन के एक छोटे से टुकड़े और रास्ते के अधिकार को लेकर शुरू हुआ था। मारपीट में बुजुर्ग महिलाओं और युवाओं को निशाना बनाया गया। घटना का वीडियो कैमरे में कैद हो गया है, जिसमें पूरी वारदात साफ दिख रही है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर रहे हैं। कुछ लोगों के कपड़े खींचे गए और उन्हें जमीन पर घसीटा गया।

मंदसौर में अवैध पिस्टल, कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार,वारदात की फिराक में हथियार लेकर घूम रहा था

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर में बुधवार को अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नई आबादी थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया।

पिस्टल और जिंदा कारतूस मिला: पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस मिला। इसके बाद पुलिस ने दोनों को जब्त कर लिया और आरोपी के खिलाफ नई आबादी थाने में अपराध क्रमांक 107/26 के तहत धारा 25/27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तौहीद पिता मोहम्मद सलीम पठान (19 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मंदसौर के वायडी नगर थाना क्षेत्र स्थित इंदिरा कॉलोनी का निवासी है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है कि हथियार कहां से आया और इसका उपयोग किस उद्देश्य से होना था।

भाजपा नेता को मुंहबोले जीजा ने मारी थी गोली:80 किमी दूर से आया

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में भाजपा कार्यकर्ता और ढाबा संचालक सचिन राजपूत की हत्या के मामले को पुलिस ने 24 घंटे में सुलझा लिया है। हत्या का आरोपी कोई और नहीं, बल्कि सचिन का मुंहबोला जीजा विवेक गुर्जर (30 वर्ष) ही निकला। चरित्र शंका के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से वारदात में इस्तेमाल बाइक और अवैध पिस्टल बरामद कर ली है। आधी रात को मोबाइल लोकेशन से मिला खून से लथपथ शव सचिन राजपूत पिपरिया रोड स्थित महुआ गांव के पास राजपूत ढाबा चलाता था। 17 जून की रात जब वह देर तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सचिन के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की जो स्टेट हाईवे से 1 किलोमीटर दूर रानी पिपरिया नहर क्षेत्र में मिली। रात करीब 3 बजे पुलिस ने नहर की पुलिया से सचिन का खून से लथपथ शव बरामद किया, जिसके सिर पर गोली लगने का निशान था।

सागर में लग्जरी कार से पकड़ाई 7 पेटी शराब

पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर की सुरखी थाना पुलिस ने लग्जरी कार में अवैध रूप शराब परिवहन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से सात पेटी शराब जब्त की गई है। शराब और कार जब्त कर पुलिस आरोपी को थाने लेकर आई। जहां शराब के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि सागर मकरोनिया की ओर से लग्जरी कार क्रमांक एमपी 15 जेडपी 9116 में अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है। शराब सुरखी की ओर लाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की गई।

टीम ने ग्राम जसराज पठार के पास घेराबंदी कर कार को पकड़ा। कार में सवार ड्राइवर को हिरासत में लिया है। पूछताछ में उसने अपना नाम सोमेश पिता सुजान सिंह कुर्मी उम्र 30 साल निवासी बाघराज वार्ड सागर का होना बताया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 7 पेटी शराब बरामद हुई।

पुलिस शराब जब्त की और आरोपी को गिरफ्तार किया। थाने लाकर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया। सुरखी थाना प्रभारी सत्यव्रत धाकड़ ने बताया कि अवैध रूप से शराब का परिवहन करते हुए कार को पकड़ा है।

कार्रवाई में 7 पेटी शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में शराब और कार कुल 7.40 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया गया है। शराब कहां से लाकर, कहां ले लाई जा रही थी, इस संबंध में जांच की जा रही है।

बिलकिसगंज जोड़ पर खुली नाली में गिरा बाइक सवार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के बिलकिसगंज जोड़ पर गुरुवार को एक बाइक सवार सड़क किनारे खुली नाली में गिर गया। हादसे में बाइक सवार को गंभीर चोटें नहीं आई, लेकिन निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर सवाल उठ रहे हैं। यह घटना जिला प्रशासन और निर्माण ठेकेदारों की कथित लापरवाही का परिणाम मानी जा रही है। घटना के बाद बाइक नाली के मलबे और लोहे के सरियों के बीच बुरी तरह फंस गई थी। इसे बाहर निकालने के लिए आसपास के राहगीरों को काफी प्रयास करना पड़ा। तस्वीरों में भी गाड़ी की स्थिति साफ देखी जा सकती है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सड़क किनारे निर्माणाधीन यह नाली लंबे समय से बिना किसी बैरिकेडिंग या चेतावनी बोर्ड के खुली पड़ी है। यह इस तरह की पहली घटना नहीं है; इस मार्ग पर पहले भी कई छोटे-मोटे हादसे हो चुके हैं।

10वीं में फेल छात्र ने फांसी लगाकर दी जान,छतरपुर में सप्लीमेंट्री में भी असफल होने से था परेशान

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की रघुनंदन विहार कॉलोनी में बुधवार को 15 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र 10वीं बोर्ड परीक्षा और बाद में सप्लीमेंट्री परीक्षा में असफल होने से मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतक की पहचान रघुनंदन विहार कॉलोनी निवासी युवराज अहिरवार (15) पुत्र संतोष अहिरवार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार युवराज कक्षा 10वीं का छात्र था और इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में सफल नहीं हो सका था। सप्लीमेंट्री परीक्षा में भी वह असफल रहा, जिसके बाद वह तनाव में रहने लगा था।

खेत में काम करते समय महिला कुएं में गिरी

पूरे शरीर में आई गंभीर चोटें, चक्कर आने से हादसे की

मीडिया ऑडीटर,सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के ग्राम ईश्वरपुर में खेत में काम करते समय एक महिला कुएं में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। चक्कर आने के कारण यह हादसा हुआ। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम ईश्वरपुर निवासी राधाबाई कुलस्ते (पत्नी सुन्नूलाल कुलस्ते) गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अपने पति के साथ खेत में कृषि कार्य कर रही थीं। खरीफ सीजन की बुवाई के चलते किसान इन दिनों खेतों में व्यस्त हैं। बताया गया कि कुएं के पास

काम करते समय राधाबाई को अचानक चक्कर आया और संतुलन बिगड़ने से वह कुएं में जा गिरीं।

हादसा होते ही खेत में मौजूद उनके पति सुन्नूलाल कुलस्ते और आसपास काम कर रहे ग्रामीणों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से महिला को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की सूचना डायल-108 एंबुलेंस सेवा को दी गई, जिसके बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। जांच के दौरान उनकी स्थिति गंभीर पाई गई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार, गिरने से महिला को गंभीर चोटें आई हैं। इस घटना के बाद गांव में चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि खेतों के आसपास खुले कुओं के पास सुरक्षा व्यवस्था न होने से ऐसी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से खेतों में स्थित कुओं के आसपास सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल, राधाबाई कुलस्ते का जबलपुर में उपचार जारी है और चिकित्सक उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहे हैं। परिजन उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

डबल सेंचुरी का था प्लान

154 रन ठोकने के बाद शुभमन गिल का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली । भारत के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में 154 रन की शानदार पारी खेलकर टीम इंडिया को 170 रन की बड़ी जीत दिलाई। मैच के बाद गिल ने खुलासा किया कि उनकी नजर सिर्फ शतक पर नहीं, बल्कि दोहरे शतक पर थी। उन्होंने कहा कि सीरीज शुरू होने से पहले ही उन्होंने खुद से एक लक्ष्य तय किया था कि जितना संभव हो उतनी देर बल्लेबाजी करेंगे और मैच को खुद फिनिश करेंगे।

डबल सेंचुरी बनाना चाहते थे शुभमन गिल

पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में शुभमन गिल ने कहा, हां, मैं दोहरे शतक के बारे में सोच रहा था, लेकिन मुझे पता था कि इसके लिए लगातार अपने शॉट खेलते रहना होगा और 430-450 रन के टीम स्कोर को ध्यान में रखना होगा। गिल ने बताया कि उनका फोकस सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना था।

ईशान किशन ने भी जड़ा तूफानी शतक

गिल का साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने शानदार अंदाज में निभाया। ईशान ने सिर्फ 79 गेंदों में 125 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 224 रन की रिकॉर्ड साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत भारत ने 402 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान पर 170 रन की बड़ी जीत, सीरीज भी जीती 402 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 232 रन पर सिमट गई। भारत ने मुकाबला 170 रन से जीतकर तीन मैचों की वनडे सीरीज अपने नाम कर ली।

भीषण गर्मी और ऐंठन के बावजूद खेली कप्तानी पारी

लखनऊ में खेले गए मुकाबले के दौरान शुभमन गिल भीषण गर्मी और लगातार ऐंठन (क्रैम्प्स) से जूझते रहे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 110 गेंदों पर 154 रन की विस्फोटक पारी खेली। अपनी इस शानदार पारी में गिल ने 22 चौके और 2 छक्के लगाए तथा 140 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उनकी इस पारी ने भारत के विशाल स्कोर की नींव रखी।

1983 वर्ल्ड कप - 17 रन पर 5 विकेट के बाद मैदान पर उतरे कपिल देव ने खेली थी यादगार पारी

नई दिल्ली । 18 जून का दिन क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार वापसी वाली पारियों में से एक की याद दिलाता है। आज से 43 साल पहले 1983 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने एक ऐसी यादगार पारी खेली थी जिसकी चर्चा आने वाली पीढ़ियां भी करती रहेंगी। उन्होंने उस समय नाबाद 175 रन बनाए थे। इंग्लैंड के टुनब्रिज वेल्स में नेविल ग्राउंड पर क्रीज पर उतरते समय कपिल के सामने एक बड़ी चुनौती थी। वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज के इस अहम मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था लेकिन टीम की हालत बहुत खराब थी और स्कोर 17 रन पर 5 विकेट हो गया था। सुनील गावस्कर और के. श्रीकांत जैसे दिग्गज बल्लेबाज बिना खाता खोले ही आउट हो गए थे जिससे मिडिल ऑर्डर पर भारी दबाव आ गया था। मोहिंदर अमरनाथ (5), संदीप पाटिल (1) और यशपाल शर्मा (9) भी कोई खास योगदान नहीं दे पाए। इसके बाद जो हुआ, वह एक शानदार जवाबी हमला था जिसने सभी मुश्किलों को मात दे दी। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कपिल ने अकेले ही मैच पर अपनी पकड़ बना ली और रोजर बिन्नी, मदन लाल तथा सैयद किरमानी के साथ मिलकर निचले क्रम में अहम साझेदारियां कीं। बेहद आक्रामक अंदाज में खेलते हुए कप्तान ने 16 चौके और 6 छक्के जड़े और सिर्फ 138 गेंदों पर नाबाद 175 रन बनाए। कपिल की इस शानदार पारी ने भारत को 17/5 के स्कोर से उबारकर निर्धारित 60 ओवरों में 266/8 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान के इस साहसिक प्रदर्शन से उत्साहित भारतीय गेंदबाजों ने इस स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव किया और जिम्बाब्वे को 235 रनों पर ऑलआउट कर 31 रनों से अहम जीत हासिल की। कपिल देव को उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। टनब्रिज वेल्स में मिली जीत ने भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा और टीम में ऐसा भरोसा जगाया जो ठीक एक हफ्ते बाद तब हकीकत में बदल गया, जब कपिल की कप्तानी वाली टीम ने 25 जून 1983 को लॉर्ड्स में फाइनल में वेस्टइंडीज को 43 रनों से हराकर अपना पहला वर्ल्ड कप जीता।

क्या मुंबई इंडियंस का साथ छोड़ देंगे सूर्यकुमार यादव रॉबिन उथप्पा ने की बड़ी भविष्यवाणी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के भविष्य को लेकर एक बड़ी अटकल सामने आई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि आईपीएल 2028 से पहले सूर्यकुमार यादव मुंबई इंडियंस (MI) का साथ छोड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) का रुख कर सकते हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने गौतम गंभीर और सूर्यकुमार की एक बार फिर चयक्र में साथ वापसी की भी भविष्यवाणी की है। कमबॉक्स टीवी (CommBo&TV) के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान उथप्पा ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए सूर्यकुमार का KKR जाना बिल्कुल संभव है। उनका मानना है कि KKR को भविष्य के लिए एक अनुभवी कप्तान की जरूरत है और सूर्यकुमार इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं।

सोशल मीडिया एक्टिविटी से बढ़ीं अटकलें

हाल ही में सूर्यकुमार यादव ने इंस्टाग्राम पर कुछ समय के लिए मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया था। हालांकि उन्होंने बाद में दोबारा टीम को फॉलो कर लिया, लेकिन इस घटना के बाद उनके फ्रेंचाइजी छोड़ने की चर्चाएं तेज हो गईं। सोशल मीडिया पर फैंस ने इसे MI के साथ रिश्तों में खटास का संकेत माना।

आईपीएल 2026 रहा निराशाजनक

आईपीएल 2026 सूर्यकुमार यादव के लिए बेहद निराशाजनक रहा। खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें भारत की टी20 टीम की कप्तानी से भी हटाया गया और आयरलैंड, इंग्लैंड तथा एशियन गेम्स के लिए घोषित भारतीय टीम में भी जगह नहीं मिली।

चयक्र को मिल सकता है नया कप्तान

उथप्पा का मानना है कि KKR आगामी सीजन में अपनी कप्तानी में बदलाव कर सकती है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी, जबकि उपकप्तान रिंकू सिंह भी अभी पूरी तरह नेतृत्व के लिए तैयार नजर नहीं आते।

वैभव को स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण दिया जाना जरुरी

मुम्बई । 15 साल के उभरते हुए भारत ए टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार से श्रीलंका ए के खिलाफ मुकाबले में टीम की हार के बाद आपा खोया है, उस पर खेल विशेषज्ञों ने चिन्ता जतायी है। इन विशेषज्ञों का मानना है कि विरोधी खिलाड़ी वैभव को उकसाने को प्रयास करेंगे, इस प्रकार की स्थित से किस प्रकार से निपटना है ये उन्हें सिखाना पड़ेगा। इनका मानना है कि वैभव सूर्यवंशी की लोकप्रियता जिस तेजी से बढ़ रही है। उसको देखते हुए अब मैदान पर उनकी एकाग्रता भंग करने विरोधी टीमें छींटाकशी और मनोवैज्ञानिक दांवपेच का भी सहारा ले सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि श्रीलंका में जिस प्रकार त्रिकोणीय टूर्नामेंट में उन्हें उकसाने का प्रयास हुआ है। उसको देखते हुए हालातों से बचने के लिए उन्हें विशेष स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही कहा कि मैदान पर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना उन्हें सीखना होगा। तभी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर सफल होगा।

हाल ही में श्रीलंका-ए के खिलाफ सुपर ओवर में भारत ए की हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और विपक्षी श्रीलंकाई क्रिकेटर विशेन हलाम्बागे के बीच धक्का-मुक्की और तीखी बहस देखी गई थी। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि युवा वैभव को खेल के मानसिक पहलुओं के लिए तैयार रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) इसका महत्व को पहले से ही समझती है। यही कारण है कि खिलाड़ियों के शिविर में आने पर उनकी खेल मनोविज्ञान सेवा प्रोफाइल बनाई जाती है। एक मनोवैज्ञानिक के अनुसार उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में 18-19 उच्च प्रदर्शन शिविर लगाए हैं जिससे खिलाड़ियों को उनकी मनोस्थिति को समझाने और उस पर काम करने के तरीके तलाशने में सहायता मिल सके। वर्तमान में जिस प्रकार से भारतीय क्रिकेट टीम एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। उससे कई युवा क्रिकेटर टीम में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे समय में, मानसिक तैयारी का महत्व और भी बढ़ जाता है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने ने भी मानसिक तैयारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि युवा क्रिकेटरों की प्रतिभा पर कोई संदेह नहीं है, लेकिन कई बार वे अपने करियर में कुछ रिकॉर्ड या उपलब्धियां अर्जित करने की जल्दी में होते हैं। यह जल्दबाजी खतरनाक हो सकती है और इससे अनावश्यक व्यग्रता पैदा होती है।ऐसे में बीसीसीआई और टीम प्रबंधन को नए खिलाड़ियों को यह समझाने की जरूरत है कि वे जल्दबाजी न करें और उन्हें पूरा समर्थन दिया जाएगा।

यह रवैया उन्हें बड़े स्तर पर अछा खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार करेगा और उन्हें धैर्य रखने में मदद करेगा।

मेरे लिए भारत ए के टीम में जगह बनाना बड़ी बात थी

AFG के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर बोले गुरनूर बराड़

लखनऊ । भारत के उभरते हुए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ का मानना है कि घरेलू क्रिकेट में वर्षों तक अपने कौशल को निखारने और सबसे बड़े मंच पर कदम रखने से पहले भारत ए की टीम की तरफ से खेलने के कारण वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सहजता से प्रवेश करने में सफल रहे। पंजाब के इस तेज गेंदबाज ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी पहली वनडे श्रृंखला में अपनी गति और नियंत्रण से सबको प्रभावित किया है। बराड़ ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की 170 रन से जीत के बाद कहा, मेरे लिए भारत ए के टीम में जगह बनाना बड़ी बात थी। अगर हम रणजी ट्रॉफी में अछा प्रदर्शन करते हैं, तो हमें भारत ए, दलीप ट्रॉफी या ईरानी कप के लिए चुना जाएगा। जब मुझे भारत ए टीम में शामिल किया गया तो मैं बहुत खुश था।

इस 20 वर्षीय तेज गेंदबाज ने वर्तमान श्रृंखला में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपनी गति, उछाल और दबाव में यॉर्कर डालने की क्षमता से बल्लेबाजों को परेशान किया है। बराड़ ने दोनों वनडे मैचों में 15.5 ओवर में 6 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बिल्कुल वैसा ही था जैसा रणजी में गेंदबाजी करते समय होता था। तेज गेंदबाजी करना, सटीक लेंथ पर गेंद डालना और गेंद को स्विंग कराना। मैंने भारत ए की तरफ से खेलते हुए भी ठीक वैसा ही करने की कोशिश की और उसी लाइन पर गेंद डाली। छह फीट पांच इंच लंबे बराड़ ने अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से बल्लेबाजों को खासा परेशान किया है। उन्होंने कहा, मैं खुद पर और अपने काम पर भरोसा रखता हूं। मैं जिस तरह की गेंद भी करूं उस पर भरोसा रखता हूं। मैं इन दोनों मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहता था। मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। उम्मीद है कि आगामी मैचों में मैं और बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहूंगा। बराड़ ने इसके साथ ही कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलने से उन्हें फायदा मिला। उन्होंने कहा, गुजरात टाइटंस में बहुत अछा माहौल है।

महिला टी20 विश्व कप- भारत को बड़ा झटका, मैच छोड़ स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर लौटी स्टार खिलाड़ी

महिला टी20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। स्टार स्पिनर श्रेयांका पाटिल फील्डिंग करते समय गंभीर रूप से चोटिल हो गई और उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। यह घटना हेडिंग्ले में खेले गए मुकाबले के छठे ओवर में हुई।

श्रेयांका मिड-ऑन पर गेंद रोकने की कोशिश कर रही थीं, तभी उनका पैर फिसल गया और उनका दायां टखना बुरी तरह मुड़ गया। चोट लगते ही वह दर्द से कराहने लगीं, जिसके बाद साथी खिलाड़ी तुरंत उनके पास पहुंचे। मेडिकल टीम ने उनकी जांच की, लेकिन वह चलने की स्थिति में नहीं थीं।

लगातार चोटों से जूझ रही हैं श्रेयांका

यह चोट श्रेयांका पाटिल के लिए एक और बड़ा झटका है। वह इसी साल लंबी चोट से उबरकर क्रिकेट में लौटी थीं। जुलाई 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान उनकी उंगली में फैक्चर हुआ था।

ईशान किशन ने जड़ा तूफानी शतक

नवजोत सिंह सिद्धू और श्रेयस अय्यर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

लखनऊ । भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश किया। रोहित शर्मा के 48 रन पर आउट होने के बाद क्रीज पर आए ईशान ने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर भारतीय पारी को नई दिशा दी।

उस समय भारत का स्कोर 96/2 था, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने अफगानिस्तान के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। गिल और ईशान ने तेजी से रन बनाते हुए भारत को 27 ओवर के भीतर 180 रन के पार पहुंचा दिया।

सिर्फ 71 गेंदों में पूरा किया शतक

ईशान किशन ने महज 71 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए और अफगानिस्तान के गेंदबाजों पर पूरी तरह दबाव बनाए रखा। यह उनके वनडे करियर का पहला शतक था, जो दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ लगाए गए दोहरे शतक के बाद आया। लगभग चार साल बाद वनडे क्रिकेट में उन्होंने फिर से तीन अंकों का आंकड़ा छुआ।

नवजोत सिंह सिद्धू और श्रेयस अय्यर का रिकॉर्ड तोड़ा

इस शतकीय पारी के दौरान ईशान किशन ने अपने वनडे करियर के 1,000 रन भी पूरे कर लिए। उन्होंने यह उपलब्धि अपनी 26वीं वनडे पारी में हासिल की।

जन कल्याण शिविरों में 37083 आवेदनों का निराकरण, 6056 प्रकरण शेष

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार 12 से 18 जून तक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जनकल्याण शिविरों के सातवें दिन तक सतना जिले में कुल 43142 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 37086 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है जबकि 6056 प्रकरण लंबित हैं जिन पर कार्यवाही जारी है जिले में आयोजित शिविरों में सतना नगर निगम क्षेत्र में 9603 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 3582 का निराकरण कर दिया गया है और 6021 आवेदन लंबित हैं इसी प्रकार जनपद पंचायत सोहावल में प्राप्त 3553 आवेदनों में से 3553 का निराकरण किया गया है वहीं नागौद विकासखण्ड में 5365 आवेदन में 5365 जनपद पंचायत उचेहरा में 5676 में 5676 तथा मझगवां में 3755 में से 3755 आवेदनों का पूर्ण निराकरण किया गया।

2 लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में ली जायेगी खरीफकी फसल कलेक्टर ने की खरीफ फसल तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि जिले के किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों एवं संबंधित विभागों के समन्वय से खरीफ फसलों के साथ कृषि की सहायक गतिविधियां भी अपनाने के लिए प्रेरित करे कृषि उत्पादन आयुक्त की संभाग स्तरीय संभावित बैठक की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर ने गुरूवार को कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। इस मौके पर उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, सहायक संचालक राम सिंह बागरी, उप संचालक उद्यानिकी अनिल सिंह, उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. एपी सिंह, सहायक संचाालक मत्स्य अंजना सिंह भी उपस्थित रहे कलेक्टर ने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों की आवश्यकता के अनुसार यूरिया, डीएपी, फास्फेटिक, खाद पैक्स सोसायटी में उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि डीएपी खाद का वितरण केवल पैक्स सोसायटी से ही किया जाये अन्य खाद डबल लॉक के विक्रय केन्द्रों पर दी जाये सभी प्रकार की खाद की उपलब्धता और भण्डारण में पैक्स समितियों को प्राथमिकता दी जाये शेष मात्रा का स्कंध डबल लाक वितरण केन्द्रों पर रखा जायेगा। उप संचालक कृषि ने बताया कि खरीफ सीजन में जिले में 2 लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी की जायेगी जिसमें 2 लाख 10 हजार हेक्टेयर में धान फसल की बोनी होगी शासन के निर्देशानुसार धान के रकबे को कम कर तिलहन, दलहन की फसलें अरहर, मूंग, उडद और सोयाबीन का रकबा बढाने किसानों को प्रेरित किया जा रहा है गत वर्ष जिले के 393 किसानों ने कोदो-कुटकी की फसल ली थी। इस वर्ष 6 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कोदो-कुटकी बोनी का लक्ष्य है। जिले में कुल 1 लाख 92 हजार 248 किसान है। जिनमें 1 लाख से अधिक केसीसी सक्रिय रूप से वैध है। जिले के 16 क्लस्टरों में 2 हजार किसान प्राकृतिक खेती कर रहे है संभागीय यंत्री कृषि अभियांत्रिकी विष्णु सनोढिया ने बताया कि नरवाई नियंत्रण के लिए जिले में 176 सुपर सीडर और हैप्पी सीडर उपलब्ध है वित्तीय वर्ष 2026-27 में 150 सुपर सीडर, 10 हैप्पी सीडर, 10 स्मार्ट सीडर 20 बेलर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिले के किसानों को डीएसआर पद्धति से धान की बोनी की सलाह दी जा रही है बैठक में कलेक्टर ने उद्यानिकी पशुपालन मत्स्य, सहकारिता की गतिविधियां, योजनाओं की प्रगति और किये जा रहे नवाचारों की समीक्षा की।

घोरबई पंचायत में भ्रष्टाचार के आरोपों पर बड़ी कार्रवाई, ग्राम रोजगार सहायक हटाए गए, विभागीय जांच शुरू

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। ग्राम पंचायत घोरबई में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक मुकेश कुमार तिवारी के खिलाफ प्राप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं की शिकायतों पर जिला पंचायत सतना ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए संबंधित कर्मचारी को पंचायत के शासकीय कार्यों से तत्काल प्रभाव से पृथक कर जनपद पंचायत मैहर में संबद्ध कर दिया गया है तथा पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार घोरबई निवासी दिलीप पटेल सहित अन्य ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि संबल कार्ड बनाने के नाम पर ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए अवैध रूप से राशि वसूली की गई शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने पर उन्हें धमकियां दी गई जिसकी रिकॉर्डिंग भी प्रशासन को सौंपी गई है ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया कि संबल योजना के हितग्राहियों को मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि के मामलों में भी कथित रूप से पैसों की मांग की जाती थी। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा से जुड़े कार्यों में अनियमितताओं तथा मजदूरी भुगतान में गड़बड़ी के आरोप भी लगाए गए हैं जिला पंचायत द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब का परीक्षण करने के बाद अधिकारियों ने पाया कि प्रस्तुत स्पष्टीकरण आरोपों का संतोषजनक खंडन नहीं कर सका। इसके आधार पर ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका 2025 के प्रावधानों के तहत मुकेश कुमार तिवारी को घोरबई पंचायत के कार्यों से हटाकर जनपद पंचायत मैहर में संबद्ध करने का आदेश जारी किया गया है आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबंधित कर्मचारी को निर्धारित मासिक पारिश्रमिक का 50 प्रतिशत भुगतान किया जाएगा। साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच के लिए अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) को विभागीय जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है जिन्हें एक माह के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है और ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बस स्टैंड परिसर में नशे का अवैध कारोबार कफ सिरप और नशीली गोलियों की खुलेआम बिक्री का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के बस स्टैंड परिसर क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है आरोप है कि बस स्टैंड के समीप अंग्रेजी शराब दुकान के सामने खुलेआम नशीली कफ सिरप नशीली गोलियां एवं अन्य मादक पदार्थों की अवैध बिक्री की जा रही है जिससे पूरा क्षेत्र नशे के अड्डे में तब्दील होता जा रहा है स्थानीय रहवासियों ने आरोप लगाया है कि श्यामा साकेत नामक व्यक्ति द्वारा लंबे समय से यह अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि दिन के समय से लेकर देर रात तक यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है जिससे क्षेत्र का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है महिलाओं और बच्चों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है वहीं आए दिन विवाद और झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो रही है स्थानीय नागरिकों का यह भी कहना है कि नशीली दवाओं और कफ सिरप की अवैध बिक्री के कारण युवा पीढ़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रही है जिससे सामाजिक ताना-बाना प्रभावित हो रहा है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है और सवाल उठाया है कि पहले से आपराधिक रिकॉर्ड होने के बावजूद आरोपी पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है मोहल्लेवासियों ने कोतवाली थाना पुलिस से आरोपी श्यामा साकेत के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध कारोबार पर रोक नहीं लगाई गई तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है स्थानीय जनता ने जिला प्रशासन से भी मामले में हस्तक्षेप कर नशे के अवैध कारोबार पर तत्काल रोक लगाने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

आगमन पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत, स्टेशन परिसर में गूंजे जयघोष

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। भोपाल प्रवास से लौटकर मैहर पहुंचे विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी का शुक्रवार को रेलवे स्टेशन परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। विधायक के आगमन की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं समर्थक स्टेशन परिसर पहुंच गए और उत्साहपूर्ण माहौल में उनका अभिनंदन किया रेलवे स्टेशन परिसर फूल-मालाओं ढोल-नगाड़ों और जोरदार नारों से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी जिंदाबाद और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों के बीच उनका स्वागत किया। इस दौरान पूरा माहौल उत्सव जैसा दिखाई दिया और समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला स्वागत कार्यक्रम के पश्चात विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच अधिक सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली एवं अन्य जनहित से जुड़ी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई कई कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में अधूरी विकास परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग उठाई विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने सभी सुझावों और समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि मैहर विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार एवं जनप्रतिनिधि लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गति दी जाएगी और किसी भी प्रकार की जनसमस्या को अनदेखा नहीं किया जाएगा उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है और सभी को मिलकर जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाना होगा। इस अवसर पर कई स्थानीय पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में विधायक के समर्थन में एक बार फिर जोरदार नारेबाजी की गई और कार्यकर्ताओं ने उन्हें आगामी विकास योजनाओं के लिए शुभकामनाएं दीं पूरा कार्यक्रम उत्साह और संगठनात्मक एकता के माहौल में संपन्न हुआ।

नशा मुक्त भारत सप्ताह का आयोजन 26 जून तक कलेक्टर ने संबंधित विभागों को जारी किये निर्देष

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत सरकार की नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान थीम के अंतर्गत 17 जून से 26 जून 2026 तक नशा मुक्त भारत सप्ताह मनाये जाने के निर्देश दिये गये है अभियान का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न करना तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, नगरीय निकाय, पंचायत एवं अन्य संबंधित विभागों को अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी विभागों को अपनी कार्ययोजना आयोजन स्थल एवं समय निर्धारित कर शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा गया है कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सप्ताह के दौरान जिला स्तरीय गतिविधि कैलेंडर तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। 17 जून को शुभारंभ एवं 26 जून को समापन कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता से आयोजित किए जाएंगे अभियान के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं समुदाय स्तर पर निबंध, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताएँ, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रैलियाँ, मानव श्रृंखला, वेबिनार एवं समूह चर्चा जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही अधिकाधिक लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नो टू ड्रग्स थीम पर योग, ध्यान एवं रैली का आयोजन भी किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि अभियान से संबंधित सभी गतिविधियों का फोटो, वीडियो एवं समाचार कवरेज सुनिश्चित कर सोशल मीडिया पर रुछौंडनाजठींतंज हैशटैग के साथ प्रचार-प्रसार किया जाए तथा निर्धारित पोर्टल पर जानकारी अपलोड की जाए। उन्होंने सभी विभागों से अपील की है कि अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देते हुए युवाओं, महिलाओं एवं समाज के सभी वर्गों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें।

नीट परीक्षा के लिए कलेक्टर व एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने गुरुवार को शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का संयुक्त रूप से भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्रों पर अभ्यर्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति, शौचालय, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त कर ली जाएं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने एवं परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी इस दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सीसीटीवी कैमरों की कार्य प्रणाली, कंट्रोल रूम व्यवस्था एवं प्रश्न पत्रों के सुरक्षित वितरण और संग्रहण की प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया साथ ही सभी केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रांसफर एक्सप्रेस में चेन पुलिंग जैसी स्थिति, कपिल नामदेव के स्थानांतरण को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के शासकीय विभागों में लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे कर्मचारियों के तबादलों को लेकर इन दिनों हलचल तेज है चर्चा है कि ट्रांसफर की प्रक्रिया के बीच कुछ कर्मचारी चेन पुलिंग जैसी स्थिति बनाकर स्थानांतरण आदेशों पर असहमति या दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में परीक्षण सहायक कपिल नामदेव का नाम सुर्खियों में है जिनका हाल ही में विभागीय आदेश के तहत स्थानांतरण किया गया है विभागीय आदेश के अनुसार कपिल नामदेव, जो एसटीएम-एसटीसी संभाग सतना के अधीन पदस्थ थे को अब कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) मैहर के प्रशासनिक नियंत्रण में वितरण केंद्र उचेहरा में पदस्थ किया गया है। उनके स्थानांतरण के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं सूत्रों के अनुसार संबंधित कर्मचारी लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ रहे हैं जिसके कारण उनकी कार्यप्रणाली को लेकर विभाग के भीतर और बाहर कई तरह के सवाल उठते रहे हैं लगभग 15 वर्षों से एक ही जगह पर पदस्थापना को लेकर भी चर्चाओं का दौर जारी है जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर असर पड़ने की बातें कही जा रही हैं स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि स्थानांतरण को लेकर कर्मचारी की ओर से विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि प्रभाव और संपर्कों के जरिए स्थानांतरण आदेश को प्रभावित करने की कोशिशें भी की जा रही हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है वहीं विभागीय सूत्रों का कहना है कि हाल के दिनों में सामने आई शिकायतों और आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर स्थानांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। अधिकारियों का मानना है कि नई पदस्थापना से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और सुधार की उम्मीद की जा रही है उचेहरा में नई पदस्थापना के बाद अब निगरानी भी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा है कि आने वाले समय में सभी संबंधित मामलों की समीक्षा की जाएगी ताकि कार्य में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

राजस्व अधिकारियों की बैठक 22 जून को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में राजस्व संबंधी प्रकरणों की समीक्षा एवं समाधान के लिए राजस्व अधिकारियों की बैठक मैहर में 22 जून को आयोजित की जायेगी बैठक में सभी पटवारी आरआई नायब तहसीलदार,एएसएलआर/एसएलआर एवं तहसीलदारों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं बैठक के दौरान अधिकारियों को राजस्व से जुड़े लंबित प्रकरणों एवं अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित रहने के लिए कहा गया है, ताकि समस्याओं का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे तक रामनगर तहसील की समीक्षा की जायेगी।

प्रिज्म सीमेंट को पर्यावरण उत्कृष्टता व सतत विकास में योगदान हेतु प्लेटिनम अवार्ड 2026, ग्रीन एनवायरो फाउंडेशन समिट में सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) को पर्यावरण उत्कृष्टता (एनवायरनमेंट एक्सीलेंस) एवं सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'प्लेटिनम अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान '2छुस्र ग्रीन एनवायरो फाउंडेशन अवार्ड एंड समिट 2026' के दौरान प्रदान किया गया, जिसमें देशभर के विभिन्न उद्योग समूहों की सहभागिता रही कंपनी के डीजीएम (सीएसआर एंड पब्लिक रिलेशन) देवेन्द्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत के प्रसिद्ध 'फॉरेस्ट मैन ऑफ इंडिया' पद्मश्री जादव पायेंग द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सुरेश प्रभु (वर्चुअल माध्यम से) तथा महाराष्ट्र शासन के पूर्व कृषि मंत्री एवं मुख्यमंत्री कार्यालय, पर्यावरण, सततता एवं वन विभाग की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के सदस्य पाशा पटेल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और उद्योगों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपने विचार व्यक्त किए प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को यह सम्मान जल संरक्षण एवं संवर्धन, हरित ऊर्जा के उपयोग और प्रोत्साहन, व्यापक वृक्षारोपण अभियान, कार्बन उत्सर्जन में कमी, प्लास्टिक एवं खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत विकास लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए दिया गया समारोह में कंपनी की ओर से पर्यावरण विभाग के वाइस प्रेसिडेंट मनोज कुमार कश्यप एवं सहायक महाप्रबंधक सुमिताभ द्विवेदी ने उपस्थित होकर यह सम्मान प्राप्त किया। उन्होंने गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में कंपनी का प्रतिनिधित्व किया इस उपलब्धि पर प्लांट अध्यक्ष एवं तकनीकी प्रमुख मनीष सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान कंपनी की पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कंपनी आगे भी हरित तकनीकों और पर्यावरण अनुकूल कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देती रहेगी वहीं हेड एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं हेड कॉर्पोरेट एचआर डॉ. मनीष कुमार सिन्हा ने सभी टीम सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयास, नवाचार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रिज्म सीमेंट भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाते हुए समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देता रहेगा।

स्पिंज़ ने मध्यप्रदेश में लॉन्च किया ?10 डी-टैन फेस पैक, 15 मिनट में मिलेगा टैन-फ्री निखार का दावा

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। केविनकेयर के लोकप्रिय स्किनकेयर ब्रांड स्पिंज़ ने मध्यप्रदेश के उपभोक्ताओं के लिए अपना नया स्पिंज़ डी-टैन फेस पैक लॉन्च किया है कंपनी का दावा है कि यह फेस पैक मात्र 15 मिनट में त्वचा से टैन हटाकर उसे सैलून जैसी चमक प्रदान करता है इस लॉन्च के साथ ब्रांड ने अपनी स्किनकेयर श्रृंखला को और मजबूत किया है जिसमें पहले से ही स्पिंज़ बीबी क्रीम और भारत का पहला बीबी फेस पाउडर शामिल हैं गर्मी के मौसम और तेज धूप के कारण होने वाली टैनिंग को ध्यान में रखते हुए यह उत्पाद तैयार किया गया है टैनिंग की वजह से त्वचा अक्सर बेजान और असमान रंगत वाली दिखाई देती है ऐसे में यह नया डी-टैन फेस पैक त्वचा को तुरंत निखार देने का दावा करता है इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी किफायती कीमत है जो मात्र 10 रखी गई है जिससे यह आम उपभोक्ताओं की पहुंच में आसानी से उपलब्ध हो सकेगा स्पिंज़ डी-टैन फेस पैक में नो-ब्लीच फॉर्मूला का उपयोग किया गया है जो बिना किसी कठोर रसायन के त्वचा को साफ और चमकदार बनाने में मदद करता है इसमें बेसन शहद और कोजिक जैसे प्राकृतिक तत्व शामिल हैं बेसन त्वचा की गहराई से सफाई कर अतिरिक्त तेल और गंदगी हटाने में सहायक है शहद त्वचा को नमी और पोषण प्रदान करता है जबकि कोजिक त्वचा की रंगत सुधारने और पिगमेंटेशन कम करने में मदद करता है इन तत्वों का संयोजन त्वचा को टैन से मुक्त कर प्राकृतिक चमक प्रदान करने का दावा करता है कंपनी के अनुसार यह फेस पैक डर्मेटोलॉजिकली टेस्टेड है और नियमित साप्ताहिक उपयोग के लिए उपयुक्त है केविनकेयर-पर्सनल केयर बिजनेस हेड रजत नंदा ने कहा कि स्पिंज़ हमेशा उपभोक्ताओं को प्रभावी और किफायती स्किनकेयर समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है स्पिंज़ डी-टैन फेस पैक अब प्रदेशभर में किराना स्टोर्स, सुपरमार्केट मॉडर्न रिटेल आउटलेट्स और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।